पेज @ 9
'नायाब' उत्सवी कलेक्शन शोकेस

दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

विधानसभा चुनाव 2023
काउंटडाउन 22 दिन शेष

वर्ष: 2 | अंक: 326 जयपुर, शनिवार, 04 नवंबर, 2023 | कार्तिक, कृष्ण पक्ष- सप्तमी, विसं 2080 पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

कांग्रेस की चौथी गारंटी
कांग्रेस फिर से!
प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान से पीड़ित
हर घर को ₹15 लाख का आपदा बीमा
गारंटी में अपना नाम दर्ज कराने के लिये मिस्ड कॉल दें 8587070707
चिरंजीवी आपदा राहत बीमा गारंटी

जल जीवन मिशन घोटाला मामले में प्रदेश में ईडी की छापेमारी: देर रात तक सचिवालय में चली सर्च

ईडी ने ACS सुबोध अग्रवाल व कई अफसरों के ठिकानों पर मारी रेड... गहन सर्च

बेधड़क | जयपुर

जल जीवन मिशन संबंधी कथित घोटाले के तहत धन शोधन मामले में ईडी की टीम ने जलदाय विभाग के अधिकारियों के ऑफिस और एडिशनल चीफ सेक्रेटरी सुबोध अग्रवाल समेत कई अधिकारियों के घर पर रेड की है। सूत्रों ने बताया कि अग्रवाल के परिसर सहित दौसा और राजधानी जयपुर में कुल 25 परिसरों पर छापे मारे गए। सुबह करीब 6 बजे से शुरू हुई कार्रवाई देर रात तक जारी रही। सूत्रों की मानें तो ईडी की तीन टीमें जयपुर सचिवालय पहुंची और सुबोध अग्रवाल के ऑफिस में सर्च शुरू किया। पीएचईडी के सचिवालय स्थित कार्यालय में भी टीम ने सर्च किया। बता दें, ईडी ने इस मामले में सितंबर में भी इसी तरह की छापेमारी की थी।

जल भवन में भी मारा छापा

पीएचईडी के एसीएस सुबोध अग्रवाल और जलदाय विभाग के दफ्तर में ईडी ने सर्च किया। इस दौरान कॉरिडोर पूर्ण बंद कर अधिकारियों ने दस्तावेज खंगाले। वहीं, जल भवन पर भी ईडी की कार्रवाई हुई। मुख्य अभियंता दिनेश गोयल के यहां सर्च चला। सर्च शुरू होते ही जल भवन के सभी अधिकारी गायब हो गए। वहीं, एसीएस अग्रवाल के घर भी ईडी का छापा पड़ा। यहां अंदर मौजूद लोगों से पूछताछ हुई और स्टाफ के कमरों की तलाशी ली। दिल्ली पुलिस की 2 गाड़ियों में करीब एक दर्जन से जवान अग्रवाल के घर के बाहर पहुंचे थे। उधर, जलभवन में एक टीम मेन विंग, तो दूसरी टीम पीछे की बिल्डिंग पर सर्च करती रही। चीफ इंजीनियर ग्रामीण केडी गुप्ता से जुड़ी फाइलों को भी सर्च किया गया।

एफएसएल की टीम भी बुलाई

कार्रवाई के दौरान ईडी ने एफएसएल टीम को बुलाया। फिर, लैपटॉप, कंप्यूटर, हार्ड ड्राइव और मोबाइल के डाटा को रिट्रीव किया गया। अग्रवाल के कार्यालय में पीए व अन्य कक्षों में भी सर्च किया, ईमेल व कंप्यूटर खंगाले। यह मामला राजस्थान एसीबी की एक एफआईआर और कार्रवाई से जुड़ा है। जिसके मुताबिक फर्म श्री श्याम ट्यूबवेल के मालिक पदमचंद जैन, श्री गणपति ट्यूबवेल के मालिक महेश मित्तल व अन्य लोग निविदाएं प्राप्त करने, बिल स्वीकृत कराने और विभिन्न निविदाओं के संबंध में उनके कार्यों में अनियमितताओं की अनदेखी करने के लिए रिश्वत देने में शामिल थे। इन्होंने हरियाणा से चोरी के सामान की खरीद की और निविदाओं आदि में उसका इस्तेमाल किया।

जरूरी खबर

जयपुर में देर रात भूकंप के झटके, लोग घरों से निकले

जयपुर। दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। राजधानी जयपुर में रात करीब 11.32 मिनट पर दो बार तेज झटके महसूस किए गए। उत्तर प्रदेश, बिहार समेत उत्तर भारत के कई इलाके में भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र नेपाल में था। भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर नीचे था। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 6.4 आंकी गई है। लखनऊ, पटना में लोग भूकंप के झटके के बाद घरों से बाहर निकल आए। यूपी के महाराजगंज में भूकंप के झटके महसूस किए गए।

यूट्यूबर एल्विश यादव पर केस दर्ज, पांच गिरफ्तार

नोएडा। बिग बॉस ओटीटी सीजन-2 के विजेता और यूट्यूबर एल्विश यादव के खिलाफ पुलिस ने गैर कानूनी तरीके से गुरुवार को सेक्टर-51 में रेव पार्टी आयोजित करने और उसमें सांप के जहर के कथित इस्तेमाल का मामला दर्ज किया है। इस मामले में पांच अन्य लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है, लेकिन एल्विश फरार है। इस बीच, एल्विश ने यूट्यूब पर एक वीडियो में उनके खिलाफ लगाए गए आरोपों से पूरी तरह इनकार किया है। अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार लोगों के कब्जे से कोबरा समेत नौ सांपों को बचाया गया।

ये भी देखें...

भाजपा कितना भी जोर लगा ले, सरकार रिपीट — पेज-2

ठेकेदार नीलेश घनश्याम भाई गदिया के IT छापे — पेज-3

अनुसूचित जाति का 'ऊंट' किस करवट बैठगा — पेज-5

सीएम और पूर्व सीएम के बीच वार-पलटवार, गहलोत बोले...

राजे करें मेरे साथ हमारी सात गारंटियों पर बहस

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में विधानसभा चुनावों के नामांकन से पहले कांग्रेस व भाजपा के नेताओं में तीखी जुबानी जंग जारी हैं। प्रदेश के वर्तमान सीएम अशोक गहलोत और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने शुक्रवार को एक-दूसरे पर वार-पलटवार किया।

मुख्यमंत्री गहलोत ने पूर्व सीएम राजे को कांग्रेस की सात 'गारंटियों' पर बहस करने की चुनौती देते हुए कहा कि राजस्थान के इस चुनाव में मुख्य मुद्दा कांग्रेस पार्टी की ये सात गारंटियां हैं। गहलोत ने एक्स पर लिखा, "राजस्थान चुनाव 2023 का मुख्य मुद्दा है कांग्रेस पार्टी द्वारा दी जा रही 7 गारंटियां। विपक्षी दल की नेता वसुंधरा राजे सिंधिया को मैं चुनौती देता हूं कि मेरे साथ 'कांग्रेस की 7 गारंटी' पर एक बहस करें।"

गौरतलब है कि राजे ने बाली, बिलाड़ा, पाली आदि जगहों पर भाजपा के प्रचार अभियान की शुरुआत करते हुए कहा था कि जनता मूर्ख नहीं है, जो कांग्रेस की झूठी गारंटी के झांसे में आ जाए। आश्चर्य होता है जिसकी खुद की वारंटी नहीं, वह कांग्रेस अब लोगों को गारंटी देने लगी हैं। वहीं, शुक्रवार को भीलवाड़ा में सीएम के आरएसएस पर दिए बयान को लेकर कहा कि राजस्थान में 'कौन मुख्यमंत्री?' एक बार फिर राजस्थान में सरकार बदलने की परिपाटी कायम रहेगी और बड़े बहुमत के साथ राजस्थान में भाजपा सरकार बनाएगी।

रिपीट होगी कांग्रेस सरकार: गहलोत

भाजपा बनाएगी सरकार: वसुंधरा

@ सपोटरा

@ भीलवाड़ा

सरकारें गिरा रहे हैं, डरा-धमका रहे हैं.. यह उचित नहीं: सीएम

गहलोत ने केंद्र की भाजपा सरकार पर आरोप लगाया कि वह ईडी, आयकर विभाग जैसी केंद्रीय जांच एजेंसियों का उपयोग राजनीतिक दुश्मनी निकालने के लिए कर रही है। उन्होंने सपोटरा में कहा कि बड़े-बड़े अपराधियों के लिए ईडी, सीबीआई और आयकर विभाग बनाए गए हैं, लेकिन उनकी तरफ ध्यान न देकर केन्द्र सरकार राजनीतिक दुश्मनी निकाल रही है। सरकारें गिरा रहे हैं, डरा-धमका रहे हैं.. यह उचित नहीं हैं। देश के लिए सीबीआई, आयकर विभाग, ईडी महत्वपूर्ण है, इनका उपयोग आर्थिक और अन्य अपराधियों के खिलाफ होना चाहिए, लेकिन इनका इस्तेमाल पूरे देश में नेताओं को तंग करने के लिए किया जा रहा हैं।

फासीवादी ताकतें लोकतंत्र खत्म करने की कोशिश में

गहलोत ने डीग जिले में कहा कि आज फासीवादी ताकतों द्वारा लोकतंत्र की व्यवस्था को खत्म करने की कोशिश की जा रही हैं। चुनी हुई सरकारों को गिराने का भाजपा का कृत्य निंदनीय है। महाराष्ट्र, कर्नाटक, गोवा और मध्यप्रदेश में चुनी हुई सरकारें गिराई गई थीं, लेकिन राजस्थान में कामयाब नहीं हो पाई। कांग्रेस सरकार की योजनाओं से आज राज्य का हर नागरिक लाभान्वित हो रहा हैं और अब सात नई गारंटियों के साथ कांग्रेस 2023 में दोबारा सरकार बनाएंगी।

राजे ने पूछा- कौन से मुख्यमंत्री?

भीलवाड़ा में मीडिया के एक सवाल पर वसुंधरा राजे ने कहा कि कौन से मुख्यमंत्री? बहुमत के साथ भाजपा राजस्थान में सरकार बनाएगी। वहीं, जब उनसे पूछा गया कि प्रदेश में परिपाटी टूटेगी या बनी रहेगी? इसका जवाब देते हुए राजे ने कहा कि यहां मौजूद एमएलए एक्स नहीं, बल्कि आने वाले एमएलए हैं। जो परिपाटी की बात कर रहे हैं, मुझे पूरा विश्वास है कि एक अच्छे और जोरदार तरीके से हम लोग जीत हासिल करेंगे। मुझे यह भी विश्वास है कि 15-20 दिन के अंदर मुझे फिर आप लोगों से मिलने का अवसर मिलेगा। हर कोई खुश है। जैसे-जैसे नामांकन दाखिल हो रहे हैं, हर कोई अच्छे मूड में है। निश्चित रूप से हम लोग जोरदार तरीके से जीतकर आएंगे।

गुलाबी नगरी में सेलिब्रिटी

जयपुर। जयपुर के सांगानेर एयरपोर्ट पर उस समय लोग चौंक गए जब उन्होंने एक फ्लाइट से पहुंचीं सचिन तेंदुलकर की लाड़ली सारा तेंदुलकर, उनकी पत्नी अंजली तेंदुलकर और माधुरी दीक्षित को देखा। लोग उनके साथ सेल्फी और उनके ऑटोग्राफ लेने के लिए उमड़ने लगे, अलबत्ता उन्हें सिक्योरिटी के कारण निराशा ही हाथ लगी।

फोटो: पंकज शर्मा

दावा: राजा मान सिंह ने बनवाया था ताजमहल!

कोर्ट ने ASI से प्रतिवेदन पर निर्णय करने को कहा

एजेंसी | नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) से कहा कि वह ताजमहल के निर्माण के बारे में कथित तौर पर तथ्यात्मक रूप से गलत जानकारियों को इतिहास की किताबों से हटाने और इसके सही काल खंड का पता लगाने संबंधी एक प्रतिवेदन पर निर्णय ले।

मुख्य न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा और न्यायाधीश तुषार राव गेडेला की पीठ ने इसके साथ ही उस जनहित याचिका का निपटारा कर दिया, जिसमें दावा किया गया था कि शाहजहां ने ताजमहल का

निर्माण नहीं कराया, बल्कि राजा मान सिंह के महल का पुनरुद्धार मात्र कराया था। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता ने पहले हाई कोर्ट के समक्ष इसी तरह के अनुरोध वाली एक याचिका दायर की थी, जिसने एएसआई को एक अभ्यावेदन देने की याचिकाकर्ता सुरजीत सिंह यादव को अनुमति देने के साथ याचिका वापस लेने को मंजूरी दी थी।

ऐतिहासिक तथ्य गलत?

एनजीओ हिंदू सेना के अध्यक्ष यादव ने अपनी जनहित याचिका में दावा किया है कि ताजमहल के निर्माण के बारे में जनता को 'गलत ऐतिहासिक तथ्य' बताए और दिखाए जा रहे हैं। शीर्ष अदालत ने दिसंबर 2022 में याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया था और कहा था कि अदालतें इतिहास को फिर से खंगालने के लिए नहीं हैं। याचिकाकर्ता के वकील ने कोर्ट को अवगत कराया कि उन्होंने इस साल जनवरी में एएसआई को एक अभ्यावेदन दिया था, लेकिन अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है।

केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस को घेरा

कांग्रेस के कारण जनता का नेताओं से उठा भरोसा: राजनाथ सिंह

- सांप्रदायिक तत्व तांडव कर रहे हैं और गहलोत चैन की नींद सो रहे
- कांग्रेस चंद चांदी के सिक्के देकर जनता का ईमान खरीदने की कोशिश में
- BJP ने दो नामों की चौथी सूची जारी की, कुल प्रत्याशी 184

बेधड़क | जयपुर

केंद्रीय मंत्री राजनाथा सिंह ने कहा कि देश में नेताओं की कथनी और करनी में अंतर होने से जनता का उन पर विश्वास धीरे-धीरे खत्म होता चला गया। उन्होंने नेताओं और राजनीति के प्रति आम जनता के घटते विश्वास के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि मुख्य विपक्षी दल की वजह से ही भारत की राजनीति में भरोसे का संकट गहराया है। सिंह ने राजसमंद में भाजपा प्रत्याशी दीप्ति माहेश्वरी और नाथद्वारा से विश्वराज सिंह मेवाड़ के समर्थन में आयोजित जनसभा में यह बात कही। उन्होंने कहा कि पीएम नरेन्द्र मोदी और भाजपा ने भारत की राजनीति में पैदा हुए विश्वास के संकट को चुनौती के रूप में स्वीकार किया है। उन्होंने कहा कि जस्थान में सांप्रदायिक तत्व तांडव कर रहे हैं। यूपी में देखिए, जरा भी किसी ने इधर-उधर करने की कोशिश की और... जय श्री राम। तुष्टीकरण की राजनीति नहीं होनी चाहिए।

कांग्रेस महिला सुरक्षा पर गंभीर नहीं

राजनाथ ने कहा कि राजस्थान की कांग्रेस सरकार महिला सुरक्षा को लेकर गंभीर नहीं हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, मैं आपसे और आपके नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी से कहना चाहता हूं कि राजनीति केवल सरकार बनाने के लिए नहीं, बल्कि समाज बनाने के लिए की जानी चाहिए, देश बनाने के लिए की जानी चाहिए। रक्षा मंत्री ने कहा कि यह चुनाव भी विश्व कप से कम नहीं हैं। कांग्रेस की हालत भी राजस्थान में पाकिस्तानी टीम जैसी हो गई है। चुनाव शुरू होते ही कांग्रेस टूर्नामेंट से बाहर होती दिख रही है। वहीं, भाजपा, भारतीय टीम की तरह है, जो चैंपियन की तरह आगे बढ़ रही है।

पूरे कार्यकाल आपस में लड़ते रहे

राज्य सरकार की 500 रुपए में गैस सिलेंडर, महिलाओं को स्मार्टफोन देने संबंधी योजनाओं का जिक्र करते हुए सिंह ने कहा कि कांग्रेस चंद चांदी के सिक्के और बख्शीश देकर, प्रदेश की जनता का ईमान खरीदने की कोशिश कर रही है। राज्य में कांग्रेस सरकार के नेता पूरे कार्यकाल तक आपस में लड़ते रहे और लोगों को इसका खामियाजा उठाना पड़ा।

भाजपा के दो और प्रत्याशी घोषित

भाजपा ने चौथी सूची जारी कर शुक्रवार को दो प्रत्याशियों को मैदान में उतारा। पार्टी ने टोडाभीम से रामनिवास मीणा को टिकट दिया है। रामनिवास गुरुवार रात को ही पार्टी में शामिल हुए थे। अब तक भाजपा 200 सीटों में से 184 सीटों पर प्रत्याशी मैदान में उतार चुकी है। 16 सीटों सिविल लाइंस, किशनपोल, आदर्श नगर, हनुमानगढ़, मावली, सरदारशहर, शाहपुरा, भरतपुर, बाड़ी, राजाखेड़ा, मसूदा, शेरगढ़, बाड़मेर, पचपदरा, पीपल्दा और कोटा उत्तर पर प्रत्याशी का ऐलान बाकी है।

जरूरी खबर

लोकेश शर्मा की गिरफ्तारी पर 10 नवंबर तक रोक

बेधड़क, जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के विशेषाधिकारी लोकेश शर्मा को दिल्ली हाईकोर्ट से मिली गिरफ्तारी से राहत 10 नवंबर तक बरकरार रहेगी। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की ओर से दर्ज करवाए गए कथित फोन टैपिंग मामले पर शुक्रवार को दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई नहीं हो सकी। दरअसल, मामले में सुनवाई कर रहे जस्टिस विकास महाजन को किसी अन्य स्पेशल केस की सुनवाई के लिए 4 बजे डबल बेंच में जाना पड़ा। ऐसे में इस मामले पर शुक्रवार को सुनवाई नहीं हो सकी। अगली सुनवाई 10 नवंबर शुक्रवार दोपहर 3 बजे होगी। वहीं सुनवाई की अगली तारीख तक कथित फोन टैपिंग प्रकरण को लेकर लोकेश शर्मा की गिरफ्तारी पर रोक जारी रहेगी।

कार्मिक विभाग ने तीन आईपीएस के किए तबादले

बेधड़क, जयपुर। कार्मिक विभाग ने निवार्चन विभाग की अनुमति के बाद एपीओ चल रहे आईपीएस को पोस्टिंग दे दी है। विभाग ने करण शर्मा को एसपी सीआईडी सीबी, सुधीर चौधरी को एसपी साइबर क्राइम पुलिस मुख्यालय राजस्थान और राजेश मीणा को एसपी सीआईडी सीबी के पद पर लगाया है। तीनों अधिकारियों के खिलाफ कार्मिक विभाग ने चुनाव आयोग ने कानून व्यवस्था पर जीरो टॉलरेंस नीति का हवाला देते हुए 11 अक्टूबर को एक्शन लिया गया था।

ईवीएम/वीवीपैट के प्रथम चरण का रेंडमाइजेशन

बेधड़क,जयपुर। विधानसभा चुनाव के लिए शुक्रवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में जिले के सभी 19 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के मतदान के लिए उपयोग में ली जाने वाली ईवीएम और वीवीपैट मशीनों के लिए प्रथम चरण का रेंडमाइजेशन किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी प्रकाश राजपुरोहित की अध्यक्षता एवं राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में हुए रेंडमाइजेशन में जिले की सभी 19 विधानसभा क्षेत्रों के लिए आरक्षित रखी जाने वाली ईवीएम और वीवीपैट मशीनों का आवंटन किया गया। रेंडमाइजेशन की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से कंप्यूटर पर उपलब्ध चुनाव आयोग के ईवीएम मैनेजमेंट सिस्टम पर की गई है।

भाजपा नेताओं ने कांग्रेस को बताया आतंकियों का समर्थक

कन्हैयालाल की हत्या हमास जैसी आतंकी घटना: तिवारी

बेधड़क | जयपुर

विधानसभा चुनावों की सरगर्मियों के बीच भाजपा कांग्रेस पर लगातार हमलवार रुख अपनाए हुए है। अब भाजपा नेता कांग्रेस की तुलना आतंकी संगठनों के साथ कर रही है।

दो दिन पहले जहां यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने इजरायल और हमास का जिक्र किया, वहीं शुक्रवार को दिल्ली भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष और नई दिल्ली सासंद मनोज तिवारी ने कांग्रेस को आतंकी संगठन हमास का समर्थक बता दिया। उन्होंने पुष्कर में मीडिया सेंटर के उद्घाटन कार्यक्रम में कहा कि हमास और कांग्रेस एक ही मत को मानने वाले हैं। आप अंदाजा लगा सकते हैं कि ये लोग किस हद तक तुष्टीकरण के पोषक हैं। उदयपुर में एक छोटे दुकानदार कन्हैयालाल टेलर की गला रेतकर हत्या कर दी जाती है और उसका विडियो बनाया जाता है। यहीं से हमास जैसी आतंकी गतिविधियों की शुरुआत हो गई थी, लेकिन कांग्रेस सरकार के मुखिया इन घटनाओं को छिटपुट और सामान्य घटना बताते हैं। मनोज तिवारी ने कहा कि राजस्थान जैसे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर वाले प्रदेश में आज क्या हो रहा है भ्रष्टाचार में सबसे अव्वल कोई राज्य है तो वह राजस्थान है।

निर्दलीय पार्षद भाजपा में शामिल

मनोज तिवारी ने प्रदेश मीडिया सेंटर में पुष्कर के निर्दलीय पार्षद रवि बाबा सहित विभिन्न समाजों से आए लोगों को भाजपा की सदस्यता ग्रहण करवाई। सदस्यता ग्रहण करने वाले लोगों में रामस्नेही समाज के धीरज राम रामस्नेही, ब्रह्म गायत्री तीर्थ पुष्कर के सचिव राकेश पाराशर, गिर्राज पाराशर, पुष्कर ब्रह्मा मंदिर के पुजारी जुगल वशिष्ठ, प्रदीप रावत और मनोज सैन सहित करीब 100 लोगों को भाजपा का दुपट्टा पहनाकर सदस्यता ग्रहण करवाई।

राजस्थान में कानून लहूलुहान: त्रिवेदी

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता डा.सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि जिस राजस्थान में यहां के वीरों ने तलवार के बल पर भी अपना सर नहीं झुकाया उस राजस्थान में कांग्रेस की सरकार में एक निर्दोष का सर तन से जुदा कर दिया गया। त्रिवेदी ने शुक्रवार को उदयपुर में भाजपा कार्यालय में मीडिया सेंटर का उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान में कानून लहूलुहान, सरकार में आपसी घमासान और किताबों में महाराणा प्रताप की जगह अकबर महान जैसा कार्य चल रहा है। यहां किसान से लेकर युवा परेशान है। महिला अत्याचारों को लेकर तो पूरे देश में राजस्थान बदनाम है। पेपर लीक से लाखों युवाओं को भविष्य बर्बाद हो गया है।

सिर्फ सत्ता बचाने की गारंटी: जोशी

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि झांसेबाज अशोक गहलोत सरकार ने पिछले पांच वर्षों में सिर्फ सत्ता बचाने की गारंटी रखी। इनकी वास्तविक सात गारंटी किसानों के साथ कर्ज माफी का धोखा, महिला दुष्कर्म और अत्याचार, युवाओं के रोजगार माफियाओं को बेचना, कुशासन, खनन माफियाओं को पनपाना, सभी विभागों में भ्रष्टाचार रहे हैं। इनकी गारंटी चाइनीस खिलौनों जैसी है, जो कभी भी टूट सकती है। उन्होंने कहा कि इनकी वादाखिलाफी प्रदेश की जनता देख चुकी है। अब ये जो सात गारंटियों की बात कर रहे हैं, यह सिर्फ झांसेबाजी का ड्रामा है। तीन दिसंबर को इस सरकार की विदाई तय है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के चेहरे पर अभी से हार को घबराहट नजर आने लगी है। सीपी जोशी ने कहा कि ईआरसीपी के मुद्दे पर गहलोत सरकार ने पिछले पांच वर्षों में क्या कार्य किया।

जयपुर जिले में 5 दिनों में 60 प्रत्याशियों ने किए 78 आवेदन

5वें दिन बंपर नामांकन, 294 प्रत्याशियों ने भरे 424 पर्चे

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 को लेकर नामांकन भरने की प्रक्रिया जारी है।

शुक्रवार को नामांकन के पांचवें दिन प्रदेश में बंपर आवेदन मिले हैं। शुक्रवार को 166 विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव लड़ने लिए कुल 294 प्रत्याशियों ने 424 नामांकन पत्र दाखिल किए हैं। जिसके बाद अब तक प्रदेश में 535 दावेदार मैदान में सामने आ चुके हैं और इन्होंने कुल 725 नामांकन पत्र भरे हैं।

जयपुर जिले में 5 दिनों में कुल 60 प्रत्याशियों ने 78 नामांकन पत्र दाखिल किए हैं। उप जिला निर्वाचन अधिकारी जयपुर नीलिमा तक्षक ने बताया कि अब तक जयपुर जिले के 19 में से 17 विधानसभा क्षेत्रों के लिए 60 से ज्यादा प्रत्याशियों ने 78 नामांकन पत्र जमा करवाए हैं।

शुक्रवार को 16 विधानसभा क्षेत्रों में 32 उम्मीदवारों ने 39 नामांकन पत्र जमा करवाए। सांगानेर विधानसभा क्षेत्र में सर्वाधिक 10 प्रत्याशियों ने 12 नामांकन पत्र जमा करवाए हैं, वहीं, चौमूं, चाकसू विधानसभा क्षेत्र में अभी तक एक भी प्रत्याशी ने नामांकन नहीं किया है।

सूची से पहले भर दिए नामांकन

पांचवें दिन विराटनगर विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस से इंद्रराज सिंह गुर्जर, निर्दलीय धूणीलाल, शाहपुरा से कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में मनीष यादव ने नामांकन भरा। हालांकि नामांकन भरने तक कांग्रेस ने मनीष का नाम घोषित नहीं किया था। वहीं फुलेरा से कांग्रेस के विद्याधर सिंह, राष्ट्रीय जनता सेना के अमित कुमार, दूदू से भाजपा के प्रेमचंद ने नामांकन किया। झोटवाड़ा विधानसभा से राष्ट्रीय जनता सेना के नवीन कुमार शर्मा, जजपा के दीनदयाल जाखड़, निर्दलीय राजेश कुमार, आमेर विधानसभा से बसपा के मुकेश कुमार शर्मा, राजस्थान राज पार्टी के दूलीचंद सैनी, निर्दलीय हेमचंद सैनी और आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी पीएस तोमर ने नामांकन किया। जमवारामगढ़ से निर्दलीय मीरा देवी, हवामहल से आप के अनूप, राष्ट्रीय जनता सेना के सुनील सैनी, विद्याधर नगर से आप के संजय बियानी, एनजेएमपी की सुशीला जांगिड़ ने नामांकन किया। तो सिविल लाइंस विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय लक्ष्मी कंवर शेखावत, किशनपोल से निर्दलीय प्रत्याशी रफीक खान खंडेलवी, आदर्श नगर से आप के उम्रदराज, राष्ट्रीय जनता सेना के पुखराज गुप्ता, मालवीय नगर भाजपा के कालीचरण सराफ ने पर्चा भरा। सांगानेर से भाजपा के भजन लाल शर्मा, बसपा के रामलाल चौधरी, निर्दलीय मंगलराम शर्मा, निर्दलीय प्रत्याशी विजय कुमार, बगरू से भाजपा के कैलाश चंद्र वर्मा, राष्ट्रीय जनता सेना के अमित कुमार ने नामांकन पत्र जमा करवाया। इसी तरह बस्सी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के चन्द्रमोहन मीणा, निर्दलीय रमेशचंद धानका और धन सिंह मीणा ने नामांकन किया।

इन विधानसभा क्षेत्रों से सामने आए प्रत्याशी

मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि शुक्रवार को सादुलशहर, श्रीगंगानगर, करणपुर, सूरतगढ़, अनूपगढ़, संगरिया, हनुमानगढ़, पीलीबंगा, नोहर, भादरा, खाजूवाला, बीकानेर पश्चिम, बीकानेर पूर्व, कोलायत, लूणकरणसर, डूंगरगढ़, नोखा, सादुलपुर, तारानगर, चूरू, रतनगढ़, सुजानगढ़, पिलानी, सूरजगढ़, झुंझुनूं, मंडावा, नवलगढ़, उदयपुरवाटी, खेतड़ी, फतेहपुर, लक्ष्मणगढ़, धोद, दांता रामगढ़, खंडेला, नीम का थाना, श्रीमाधोपुर, विराटनगर, शाहपुरा, फुलेरा, दूदू, झोटवाड़ा, आमेर, जमवा रामगढ़, हवामहल, विद्याधर नगर, सिविल लाइन्स, किशनपोल, आदर्श नगर, मालवीय नगर, सांगानेर, बगरू, बस्सी, तिजारा, मुण्डावर, बानसूर, थानागाजी, अलवर ग्रामीण, अलवर शहरी, राजगढ़-लक्ष्मणगढ़, डीग-कुम्हेर, भरतपुर, नदबई, वैर, बसेड़ी, बाड़ी, धौलपुर, राजाखेड़ा, टोडाभीम, हिंडौन, करौली, सपोटरा, बांदीकुई, महुवा, सिकराय, दौसा, लालसोट, गंगापुर, बामनवास, सवाई माधोपुर, खंडार, मालपुरा, टोंक, देवली-उनियारा, किशनगढ़, पुष्कर, अजमेर उत्तर, अजमेर दक्षिण, नसीराबाद, मसूदा, केकड़ी, डीडवाना, नागौर, खींवसर, मेड़ता, डेगाना, मकराना, नावां, जैतारण, सोजत, पाली, मारवाड़ जंक्शन, बाली, सुमेरपुर, फलौदी, लोहावट, ओसियां, सरदारपुरा, जोधपुर, सूरसागर, लूणी, बिलाड़ा, जैसलमेर, बाड़मेर, बायतू, पचपदरा, सिवाना, चौहटन, आहोर, जालोर, भीनमाल, रानीवाड़ा, सिरोही, पिंडवाड़ा आबू, गोगुन्दा, झाडोल, खेरवाड़ा, उदयपुर ग्रामीण, उदयपुर, मावली, वल्लभनगर, सलूम्बर, डूंगरपुर, सागवाड़ा, घाटोल, गढ़ी, बांसवाड़ा, बागीडोरा, कुशलगढ़, कपासन, बेगूं, निम्बाहेड़ा, बड़ी सादड़ी, धरियावद, प्रतापगढ़, भीम, कुम्भलगढ़, राजसमंद, नाथद्वारा, आसींद, मांडल, सहाड़ा, भीलवाड़ा, जहाजपुर, मांडलगढ़, केशोरायपाटन, बूंदी, सांगोद, कोटा उत्तर, लाडपुरा, रामगंज मंडी, अंता, किशनगंज, छबड़ा, डग, खानपुर और मनोहर थाना विधानसभा क्षेत्रों में कुल 424 नामांकन पत्र दाखिल किए गए।

संजीवनी घोटाला प्रकरण

गहलोत के खिलाफ मानहानि मामले की सुनवाई 20 को

बेधड़क | जयपुर

दिल्ली की एक अदालत राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के खिलाफ केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की मानहानि शिकायत पर 20 नवंबर को दलीलें सुनेगी। अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट हरजीत सिंह जसपाल ने शुक्रवार को मामले की सुनवाई तब स्थगित कर दी, जब अदालत को सूचित किया गया कि शिकायतकर्ता के वकील विकास पाहवा उपस्थित नहीं हैं।

न्यायमूर्ति जसपाल ने कहा कि वरिष्ठ वकील पाहवा एक अलग मामले में व्यस्त हैं, इसलिए सुनवाई दोपहर 12.30 बजे तक स्थगित करने का अनुरोध किया गया है। इस पर गहलोत की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता रमेश गुप्ता ने आपत्ति जताई कि उस समय वह भी कहीं और व्यस्त हैं। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों को कोई अन्य समय मंजूर नहीं है। गतिरोध को देखते हुए कोर्ट ने मामले की सुनवाई को 20-21 नवंबर 2023 तक के लिए स्थगित कर दिया। गहलोत जहां वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सुनवाई में शामिल हुए, वहीं शेखावत के वकील ने उनके लिए व्यक्तिगत पेशी से छूट मांगी, जिसे स्वीकार कर लिया गया। मुख्यमंत्री ने शेखावत को कथित संजीवनी घोटाले से जोड़ कर टिप्पणी की थी। जिसके खिलाफ केंद्रीय मंत्री की शिकायत के बाद अदालत ने उन्हें को सात अगस्त को तलब किया था।

जांच एजेंसियों का हथियार के तौर पर इस्तेमाल

भाजपा कितना भी जोर लगा ले, रिपीट होगी सरकार: डोटासरा

बेधड़क | जयपुर

कांग्रेस की राजस्थान प्रदेश इकाई के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने शुक्रवार को कहा कि भाजपा और आरएसएस कितना भी जोर लगा लें, लेकिन राजस्थान में विधानसभा चुनाव के बाद कांग्रेस की सरकार बरकरार रहेगी।

डोटासरा ने अपने परिसरों पर प्रवर्तन निदेशालय के छापे और अपने बेटों को समन की ओर इशारा करते हुए कहा कि भाजपा सब कुछ करेगी क्योंकि वे चुनाव नहीं जीत रही। मैं तो अध्यापक का बेटा हूं, मैने मेरे जीवन में कोई गलत काम नहीं किया। जब मैं भाजपा और आरएसएस के लिए बोलता हूं तब ईडी आती है।

उन्होंने कहा कि भाजपा असली मुद्दों पर चुनाव लड़ने की बजाय जांच एजेंसियों को अपने हथियार के तौर पर इस्तेमाल करती है। उन्होंने कहा कि लक्ष्मणगढ़ में 1800 करोड़ रुपए के ऐतिहासिक विकास कार्य हुए, लेकिन भाजपा नेता अपने भाषणों में दावा करते हैं कि इससे शहर का नाम खराब हुआ।

चुनाव आयोग ने मतदाताओं को दी सहूलियत

वैकल्पिक ID कार्ड से कर सकेंगे मतदान

बेधड़क | जयपुर

विधानसभा आम चुनाव के लिए मतदान में निर्वाचन फोटो पहचान पत्र की उपलब्धता के अभाव में भी मतदाता वैकल्पिक पहचान दस्तावेज दिखाकर वोट डाल सकेंगे।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने गुरुवार को बताया कि यह पूरी तरह सुनिश्चित किया जा रहा है कि 25 नवंबर को मतदान दिवस पर मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग बिना किसी परेशानी के कर सकें। उन्होंने कहा कि पूरक सूची सहित मतदाता सूचियों का अंतिम रूप से प्रकाशन 7 नवंबर को किया जाएगा। इसमें शामिल सभी मतदाता वोट डाल सकेंगे। जो मतदाता निर्वाचन फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत करने में सक्षम नहीं हैं, उन्हें अपनी पहचान स्थापित करने के लिए 12 वैकल्पिक फोटोयुक्त पहचान दस्तावेज में से कोई एक दिखाना होगा। गुप्ता ने बताया कि 12 वैकल्पिक फोटोयुक्त पहचान दस्तावेज में आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटो सहित पेंशन दस्तावेज, केंद्र/राज्य सरकार/पीएसयू/सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा कर्मचारियों को जारी किए गए फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, बैंक/डाकघर द्वारा जारी फोटोयुक्त पासबुक, राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर के तहत आरजीआई द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड, श्रम मंत्रालय की योजना के तहत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, सांसदों/विधायकों/एमएलसी को जारी किए गए आधिकारिक पहचान पत्र और भारत सरकार के सामाजिक न्याय मंत्रालय द्वारा दिव्यांगजनों को जारी यूनिक डिसेबिलिटी आईडी शामिल हैं।

विधानसभा चुनाव-2023

भाजपा-कांग्रेस के बागी नेताओं को मैदान में उतार रहा तीसरा मोर्चा

बेधड़क | जयपुर

आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर इस बार तीसरा मोर्चा अपनी अहमभूमिका में नजर आ रहा है। प्रदेश की 200 सीटों पर इस बार तीसरा मोर्चा एक्टिव हो रहाहै और मजबूती से अपने दावेदार उतार रहा है।

वहीं तीसरे मोर्चे की पार्टियां भाजपा और कांग्रेस के बागियों पर भी पूरी नजर गड़ाए हुए हैं। कुछ पार्टियां बागी तेवर दिखाने वाले नेताओं को टिकट देकर चुनावी मैदान में उतार रही हैं। भाजपा-कांग्रेस में ऐसे कई बड़े नाम हैं जो अपने टिकट कटने पर पार्टी आलाकमान से नाराज चल रहे हैं। भाजपा-कांग्रेस को भी इन नेतओं के बागी होने का डर सता रहा है। ऐसे में यह नेता तीसरे मोर्चे को विकल्प के रूप में देख रहे हैं। इस बार तीसरे मोर्चे के रूप में आरएलपी, आप, बसपा, आसपा सहित कई पार्टियां मैदान में हैं।

■ आप ने 26, बसपा ने एक और रालोपा ने 6 प्रत्याशियों की सूची जारी की

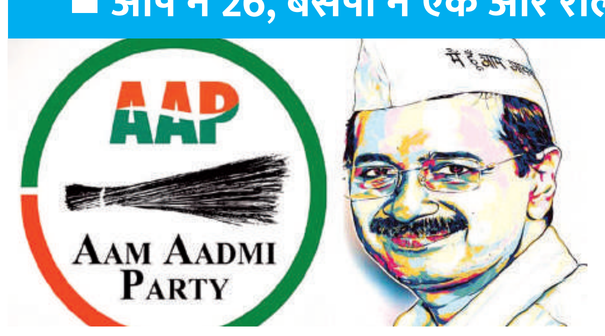

सांगानेर से अमित दाधीच को दिया टिकट

आम आदमी पार्टी की शुक्रवार को जारी सूची के अनुसार संगारिया से संदीप सरन, हनुमानगढ़ से सचिन कौशिक, चुरू से संजय खान, झुंझुनूं से राशिद खान, दांतारामगढ़ से भूधराम जाट, सांगानेर से अमित दाधीच, किशनगढ़ बास से वकील चरण सिंह यादव, बारी से अमर सिंह कुशवाह, सपोटरा से प्रेम सिंह मीना, गंगापुर से घनश्याम बैरवा, अजमेर उत्तर से रमेश कुमार टहलानी, आमेर साउथ से रवि बालोटिया, सोजत से डॉ. ओम प्रकाश गहलोत, बाड़मेर से भगवान सिंह लाबरू, खेरवाड़ा से गौतम लाल परमार, उदयपुर ग्रामीण से हीरालाल पारगी, धरियावद से कालूराम मीना, सागवाड़ा से शिवताल मैदा, घाटोल से नारायण लाल निनामा, गढ़ी से पारस पारग, बेगूं से वकील रमेश राघव गुर्जर, निंबाहेड़ा से साकिर खान, भीम से कमांडो मनोहर सिंह रावत, राजसमंद से डॉ. घनश्याम मोरदिया, भीलवाड़ा से अशोक मुंडाना और डेग से अनिल कुमार पंकज को टिकट दिया गया है।

राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी ने उतारे अब तक 29 प्रत्याशी

राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी ने गुरुवार देर रात अपने प्रत्याशियों की चौथी सूची जारी कर दी है। लिस्ट में आरएलपी ने कपासन से आनंद राम खटीक, आसींद से धनराज गुर्जर, खाजूवाला से जयप्रकाश बांगड़वा, लूणकरणसर से शिवदान मेघवाल, बीकानेर पूर्व से मनोज बिश्नोई और बीकानेर पश्चिम से मजीद खोखर को टिकट दिया है। इसके साथ ही आरएलपी अब तक 29 सीटों पर अपने प्रत्याशि उतार चुकी है। गौरतलब हैं कि आजाद समाज पार्टी से चुनावी गठबंधन बाद राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी ने ऐलान किया था कि इस बार 200 विधानसभा सीटों पर प्रत्याशी चुनावी रण में उतारे जाएंगे। आरएलपी की चौथी लिस्ट में पार्टी ने 3 अनुसूचित, एक बिश्नोई, एक गुर्जर और एक मुस्लिम उम्मीदवार को टिकट दिया है। पार्टी ने बीजेपी के बागी नेता धनराज गुर्जर को आसींद सीट से मैदान में उतारा है। वहीं, बहुजन समाज पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष शिवदान मेघवाल को भी राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी ने अपनी इस लिस्ट में जगह दी है। उन्हें लूणकरणसर से उम्मीदवार बनाया गया है। इसके अलावा पार्टी ने आनंदीराम को खटीक को भी टिकट दिया है, जो कपासन से पिछली बार कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी रहे थे।

जरूरी खबर

कैप्टन भंवर सिंह मणिपाल अस्पताल में भर्ती

जयपुर। द्वितीय विश्व युद्ध के सेनानी रिसालदार मेजर और ऑनरेरी कैप्टन भंवर सिंह का मणिपाल अस्पताल में चिकित्सा उपचार चल रहा है। कैपटन सिंह 'तिरेसठ' के नाम से जानी जाने वाली 63 कैवेलरी के सैनिक हैं, जिनका योगदान ब्रिटिश सेना के स्वतंत्रता-पूर्व दिनों से लेकर भारतीय सेना में ऑनरेरी कैप्टन बनने तक उल्लेखनीय रहा है। कैप्टन 1939 में जोधपुर लांसर्स में पारंपरिक प्रक्रिया के अनुसार 'सईस' के रूप में नियुक्त हुए थे और उसके बाद कैवेलरी में 'सवार' के रूप में नामांकित हुए। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद वे जोधपुर लांसर्स के साथ चले गए और फारसी क्षेत्रों और फिलिस्तीन पर लड़े गए युद्ध में भाग लिया।

शिवा क्रिकेट अकादमी ने जीता मैच

जयपुर। लक्ष्य कप अंडर - 11 में शिवा क्रिकेट अकादमी ने शांति क्रिकेट अकादमी को 132 रनों से पराजित किया। शिवा क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 7 विकेट खोकर 186 रन बनाए। क्रिश सैनी ने सर्वाधिक 69 , लक्ष्य टेलर ने 36 एवं चर्चित यादव ने 35 रनों का योगदान दिया। आरव चौधरी एवं देवांश मारने ने 2-2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी शांति क्रिकेट अकादमी की टीम को चर्चित यादव एवं आरव शर्मा की घातक गेंदबाज़ी ने 54 रन पर ही समेट दिया। चर्चित यादव एवं आरव शर्मा ने 4-4 विकेट लिए।

यातायात व्यवस्था फेल, एक किमी पार करने में लग रहा आधा घंटा

प्रत्याशियों के काफिले और त्योहारी खरीदारी में 'आम' जाम

बेधड़क | जयपुर

चुनाव के साथ साथ त्योहारी सीजन को लेकर खरीदारी शुरू हो चुकी है। दिन में जहां सड़क पर चुनाव में उतरे उम्मीदवारों के साथ चल रहे वाहनों के काफिले जाम की स्थिति बना रहे हैं तो दूसरी ओर परकोटे के बाजार में लोग खरीदारी के लिए उमड़ रहे हैं। ऐसे में बाजारों में इन दिनों पैर रखने को भी जगह नहीं है।

परकोटे के मुख्य मार्गों पर जाम की स्थिति बनी हुई है। यहां जाम के कारण एक किमी की दूरी को पार करने में 30 मिनट तक का समय लग रहा है। दोनों ही स्थितियों में यातायात व्यवस्था चरामरा रही है।

जाब्ता तैनात, फिर भी आ रहा काफिला

चुनाव के लिए नामांकन भरने के लिए जिला कलेक्ट्रेट में प्रत्याशियों का तांता लगा हुआ है। सुबह नौ बजे से ही वाहनों के काफिले के साथ नेता अपना दमखम दिखाते हुए नामांकन पत्र भरने पहुंच रहे हैं। ऐसे मे दिन भर कलेक्ट्री परिसर में जाम की स्थिति बनी रहती है। हालांकि, निर्वाचन अधिकारी के निर्देश के बाद पुलिस ने मुख्य मार्गों पर बेरिकेड लगा रखा है, लेकिन वाहनों को लेकर किसी तरह की रुकावट नहीं की जा रही है।

परकोटे में ई रिक्शा बन रहे समस्या

परकोटे के चांदपोल बाजार, छोटी चोपड़, त्रिपालिया बाजार, जोहरी बाजार आदि में दिनभर वाहनों की रेलमपेल हो रही है। हालांकि, बाजारों में आने वाले लोगों के लिए परकोटे के बाहर रामनिवास बाग और रामलीला मैदान में पार्किंग व्यवस्था है, फिर भी लोग अपने वाहनों को लेकर बाजारों में ही आ रहे हैं। इसके अलावा ई रिक्शा के रूट नहीं बनने से भी जाम स्थिति बनी रहती है। मुख्य सड़क पर ही रिक्शा चालक खड़े होकर सवारियों को बेठाते हैं। इससे पीछे आ रहे वाहनों का लम्बा जाम लग रहा है।

परकोटे में 30 हजार से अधिक ई-रिक्शे!

एक अनुमान के मुताबिक चारदीवारी क्षेत्र में करीब 30 हजार से ज्यादा ई रिक्शा चल रहे है। इस कारण ये रिक्शे बेतरतीब हिसाब से चल रहे हैं। हालांकि, सितंबर माह में जेडीए सभागार में आरटीओ, हेरिटेज निगम, स्मार्ट सिटी और जेडीए के अधिकारियों के बीच ई रिक्शों के रूट संचालन को लेकर एक बैठक हुई, जिसमें इनके रूट को लेकर योजना बनाने और नए रूट प्रस्तावित किए गए। रिक्शा यूनियन के विरोध के बाद रूट व्यवस्था ठण्डे बस्ते में चली गई।

जयपुर, कुचामन और अजमेर में हो रही छापेमारी

बजरी और सिविल कॉन्ट्रेक्टर के 21 ठिकानों पर आयकर कार्रवाई

■ आवासन मंडल की परियोजनाओं के भी ले रखे हैं ठेके, अफसरों का चहेता

बेधड़क | जयपुर

गणपति प्लाजा स्थित निजी कम्पनी के लॉकर्स में छिपे कालेधन की तलाश को लेकर 21 दिन पूर्व शुक्रवार 14 अक्टूबर को शुरू हुई आयकर सर्वे की कार्रवाई के साथ आयकर विभाग की अन्वेषण शाखा ने शुक्रवार को बजरी के एक बड़े ठेकेदार व सिविल कॉन्ट्रैक्टर और उनके सहयोगियों के 21 ठिकानों पर कार्रवाई की शुरुआत की है।

बताया जा रहा है कि शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे छापेमारी का निशाना बने ठेकेदार ने अनेक बड़े सरकारी प्रोजेक्ट्स का टर्नकी प्रोजेक्ट के रूप में काम किया है और कुछ अभी भी निर्माणाधीन है। विभाग ने आयकर चोरी की गुप्त सूचना पर इस कार्रवाई की शुरुआत की, उम्मीद की जा रही है कि इस कार्रवाई में करोड़ों रुपए की अघोषित आय का खुलासा होगा।

खर्च को लेकर बड़े घपले की आशंका

विश्वस्त सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आयकर विभाग ने शुक्रवार को कार्रवाई का निशाना बनने वाले बजरी के एक बड़े ठेकेदार व सिविल कॉन्ट्रेक्टर नीलेश घनश्यामभाई गदिया और उनके रिश्तेदारों व सहयोगी राज्य सरकार की विभिन्न निर्माण योजनाओं में कार्य करते रहे हैं। निर्माण कार्यों व बजरी माइनिंग के साथ फॉस्फेट माइनिंग आदि कार्यों के लिए नीलेश गदिया इंजीनियरिंग मशीनों आदि को अनुबंध पर लेते रहे हैं, जिसमें खर्च को लेकर बड़ा घपला होने की आशंका है।

लागत पर कई बार उठ चुके हैं सवाल

बताया जाता है कि नीलेश गदिया और उसके सहयोगियों ने हाल ही विधानसभा के सामने बने कांस्टिट्यूशन क्लब, विधायक निवास के अलावा राजस्थान आवासन मण्डल की कुछ परियोजनाओं के अलावा जेएलएन मार्ग पर निर्माणाधीन एज्यूकेशन कॉम्पलेक्स आदि का कार्य भी हाथ में ले रखा है। नीलेश गदिया और उसके सहयोगियों टर्नकी प्रोजेक्ट के रूप में अरबों रुपए मूल्य की परियोजनाओं पर कार्य कर रहे हैं, इन परियोजनाओं की लागत को लेकर कई बार सवाल उठ चुके हैं, लेकिन उच्च प्रशासनिक अधिकारियों की मित्रता के कारण नीलेश और उसके सहयोगियों की कभी गंभीर जांच तक नहीं हुई।

निवेश दस्तावेज, नकदी व ज्वेलरी मिलने की सूचना

खास बात यह भी है कि कार्रवाई की शुरुआत में ही निवेश से संबंधित दस्तावेज, नकदी व ज्वैलरी मिलने की सूचना है। इन सभी की आयकर अधिकारी लेखा पुस्तिकाओं से जांच करेंगे। सूत्र बताते हैं कि जयपुर में नीलेश घनश्यामभाई गदिया, उनके दो भाइयों व रिश्तेदारों के अलावा कारोबारी सहयोगियों के एनआरआई कॉलोनी, प्रताप नगर एन्क्लेव, महारानी फार्म, गोपालपुरा बाईपास, कृष्णा सागर कॉलोनी, मालवीय नगर, वैशाली नगर में आयकर छापे व सर्वे की कार्रवाई शुरू की। बताया जाता है कि विभागीय अधिकारी 21 में से 11 ठिकानों पर आयकर छापेमारी और 10 ठिकानों पर आयकर सर्वे की कार्रवाई कर रहे हैं। आयकर सर्वे और छापेमारी की कार्रवाई शुक्रवार को देर रात तक सभी ठिकानों पर जारी रही। उधर, गणपति प्लाजा में निजी लॉकर्स के आयकर सर्वे की कार्रवाई, इस कार्रवाई का जिम्मा संभाल रहे अन्वेषण शाखा के अधिकारियों के आयकर छापे में व्यस्त रहने के बावजूद आज 21 वें दिन भी जारी रही।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

टेक्नो-मैनेजमेंट वार्षिक फेस्ट में भ्रष्टाचार को 'ना'

बेधड़क | जयपुर

मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2023 के दौरान शुक्रवार को 'भ्रष्टाचार को ना कहें: राष्ट्र के प्रति समर्पित रहें' विषय पर पैनल चर्चा का आयोजन हुआ।

पैनल डिस्कशन में भ्रष्टाचार के कई कदाचारों पर बात की गई, जिसमें प्रमुख रूप से रिश्वतखोरी और मनी लॉन्ड्रिंग के कारण विकास की सस्टेनेबल गोल को प्राप्त करने में पिछड़ने की बात कही गई। पैनल चर्चा का मुख्य फोकस देश के सर्वांगीण विकास को प्राप्त करने के लिए शासन में पारदर्शिता और जवाबदेही लाने पर रहा। पैनल चर्चा के दौरान, विषय विशेषज्ञों द्वारा अनेक अनुभवों एवं अनुशासनात्मक कार्यवाही की बारीकियों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।

टेक्नो-मैनेजमेंट फेस्ट शुरू: एमएनआईटी के वार्षिक टेक्नो-मैनेजमेंट फेस्ट स्फिंक्स 2023 का शुभारंभ शुक्रवार को हुआ। एमएनआईटी के निदेशक प्रोफेसर नारायण प्रसाद पाढी द्वारा नवाचार और सीखने की संस्कृति को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर दिया। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. महेश कुमार जाट ने समग्र विकास के महत्व पर जोर दिया। तकनीकी सोसायटी की समन्वयक डॉ. निशा वर्मा ने छात्रों की तकनीकी कौशल को प्रदर्शित करने के लिए उत्सव में सभी विद्यार्थियों को भाग लेने हेतु आह्वान किया। फेस्ट में शुक्रवार को फ्लैगशिप कार्यक्रम के तहत 'ट्रेजर हंट' का आयोजन किया गया, जिसमें 700 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए और टीम रितिक राज, टीम जी-2 स्क्वायर और टीम पाइरेट्स विजयी रहे।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
आपके दिल की बात अब आपके अखबार के माध्यम से...
अख़बार में प्रकाशन के लिए खब़र, विज्ञप्ति, कार्यक्रम की सूचना आलेख एवं अपनी मौलिक रचनाएं
news@sachbedhadak.com
पर E- Mail करें ।

70 हजार 579 अभ्यर्थी पंजीकृत

114 केन्द्रों पर JLO परीक्षा आज से

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान लोक सेवा आयोग की जूनियर लीगल ऑफिसर की परीक्षा शनिवार और रविवार को आयोजित होगी। परीक्षा का आयोजन अजमेर, जयपुर, जोधपुर व उदयपुर जिलों में होगा। आयोग सचिव रामनिवास मेहता ने बताया कि परीक्षा में कुल 70 हजार 579 अभ्यर्थी पंजीकृत हुए हैं। एग्जाम के लिए अजमेर में 48, जयपुर में 114, जोधपुर में 48 एवं उदयपुर में 25 कुल 235 एग्जाम सेंटर बनाए गए हैं। एग्जाम का आयोजन दोनों दिन दो पारियों में सुबह 9 से दोपहर 12 बजे तक एवं दोपहर 2:30 से शाम 5:30 बजे तक किया जाएगा। परीक्षा में अभ्यर्थियों को पहचान के लिए परीक्षा केंद्र पर प्राथमिकता से मूल आधार कार्ड (रंगीन प्रिंट) लेकर उपस्थित होना होगा। आयोग द्वारा जारी निर्देशानुसार परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों को परीक्षा प्रारंभ होने के नियत समय से 60 मिनट पूर्व तक ही प्रवेश दिया जाएगा। इसके बाद किसी भी अभ्यर्थी को परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं दिया जा सकेगा। अभ्यर्थियों को सुरक्षा जांच एवं पहचान के बाद ही परीक्षा केंद्रों में प्रवेश दिया जाएगा।

राजस्थान रोडवेज के श्रमिक संगठनों का प्रदर्शन

बोनस-एक्सग्रेसिया के लिए आंदोलन

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान रोडवेज के श्रमिक संगठन दो माह के वेतन, पेंशन, दो माह के सेवानिवृति परिलाभ एवं वित्तीय वर्ष 2022-23 के बोनस-एक्सग्रेसिया के भुगतान की मांग को लेकर शुक्रवार को एक घंटे का आंदोलन किया।

श्रमिक संगठनों के संयोजक एमएल यादव ने बताया कि शुक्रवार को विद्याधर नगर डिपो, डीलक्स डिपो, केंद्रीय कार्यशाला, टायर कार्यशाला के कर्मचारियों द्वारा अपने कार्य स्थलों पर प्रदर्शन किया गया। उन्होंने बताया कि दीपावली का त्यौहार आ गया, लेकिन रोडवेज के सेवारत कर्मचारियों एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों में वेतन भत्तों का भुगतान नहीं किया गया है। इसको को लेकर कर्मचारियों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

उन्होंने बताया कि मांगों को लेकर 7 नवंबर को दोपहर में एक घंटे प्रदेशभर में रोडवेज की सभी इकाइयों में प्रदर्शन किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि समय पर मांगे नहीं मानी गई तो कार्य बहिष्कार का फैसला भी किया जा सकता है। इस दौरान एटक के उप महासचिव धर्मेंद्र चौधरी, सीटू के महासचिव किशन सिंह राठौड़, आलोक दुबे, आनंद चौधरी, गोविंद पिल्लई सहित कई कर्मचारी मौजूद रहे।

पुलिस का मदिराघर और डायर ऑपरेशन

23 दिन में 300 करोड़ रुपए की नकदी, अवैध शराब व मादक पदार्थ पकड़े

- 2018 के चुनाव पूर्व की थी 65 करोड़ की जब्ती
- इस बार 23 दिन में ही 5 गुना अधिक का माल पकड़ा

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में 25 नवंबर को होने वाले चुनावों के दौरान धनबल, अवैध शराब, मादक पदार्थों पर समेत चुनावों में वोटरों को लुभाने के लिए बांटी जाने वाली सामग्री को लेकर पुलिस पिछले विधानसभा चुनावों से इस ज्यादा सख्त है। पुलिस ने आचार संहिता लागू होने के बाद केवल 23 दिन में ही प्रदेश में 657 जगहों पर नाकाबंदी करके 300 करोड़ रुपए की नकदी, अवैध शराब, मादक पदार्थ व अन्य सामग्री जब्त की है।

खास बात है कि पुलिस मुख्यालय द्वारा प्रतिदिन सभी जिला पुलिस द्वारा की जा रही कार्रवाई की मॉनिटरिंग की जा रही है। प्रति दिन और सप्ताह के आधार पर जिला पुलिस को रेंटिंग दी जा रही है। पुलिस द्वारा प्रदेश में मदिराघर और डायर ऑपरेशन चलाकर कई घंटों तक सीमावर्ती राज्यों के 265 नाको और इंटर स्टेट के करीब 400 नाकों पर कार्रवाई की गई है। पड़ताल में सामने आया कि पुलिस ने अभियान के तहत अब तक 35 करोड़ रुपए की नगदी, 31 करोड़ रुपए की शराब, 66 करोड़ रुपए कीमत के मादक पदार्थ और 180 करोड़ रुपए के वाहन, हथियार, माइनिंग प्रोडक्ट, रेवडी, विस्फोटक व चुनावों में बांटी जाने वाली अन्य सामग्री तलाशी के दौरान जब्त की है।

इन जिलों में सबसे ज्यादा कार्रवाई हुई

पुलिस के आंकड़ों की माने तो पुलिस की व्यय अन्वेषण फोर्स द्वारा जयपुर में सबसे ज्यादा कार्रवाई की है। इसके बाद जोधपुर व नागौर में कार्रवाई हुई है। अवैध शराब की सबसे ज्यादा कार्रवाई अलवर, बूंदी व सिरोही जिलें में हुई है, जबकि मादक पदार्थों की सबसे ज्यादा कार्रवाई भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ व बाड़मेर में हुई है। सीमावर्ती राज्यों पर पुलिस ने 35 करोड़ रुपए की नगदी, शराब, मादक पदार्थ व अन्य सामग्री बरामद की है। पुलिस की जांच में सामने आया कि पंजाब और हरियाणा से अवैध शराब की सप्लाई, मध्यप्रदेश से मादक पदार्थों और उड़ीसा से गांजे की सप्लाई हो रही है।

विधानसभा चुनाव 2018 के दौरान कार्रवाई की स्थिति

विधानसभा चुनाव 2018 के दौरान पुलिस ने 60 दिन तक आचार संहिता के दौरान कार्रवाई की थी। इस दौरान पुलिस ने प्रदेश में 21 करोड़ रुपए की शराब, 12 करोड़ रुपए की नगदी, 16 करोड़ रुपए के मादक पदार्थ व 16 करोड़ रुपए कीमत की अन्य सामग्री पकड़ी थी।

कर रहे हैं मॉटिवेट

" सभी जिला पुलिस द्वारा प्रतिदिन दी जाने वाली कार्रवाईयों को रेंटिंग दी जा रही है। उस रिपोर्ट को उच्च अधिकारियों से शेयर की जा रही है। ऐसे में जिला पुलिस द्वारा अधिक से अधिक कार्रवाई करके धनबल रोकने व अवैध सामग्री पर अंकुल लगाने का पुरा प्रयास किया जा रहा है।

विकास कुमार, आईजी व नोडल अधिकारी, पुलिस मुख्यालय

जरूरी खबर

चोरी के मामले में 7 माह से फरार आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर। उदयपुर की प्रतापनगर थाना पुलिस ने बाइक चोरी के मामले में 7 माह से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। थानाधिकारी हिमांशु सिंह राजावत ने बताया कि आरोपी गणपत लाल पिता तुलसीराम निवासी खाम की मादड़ी घासा को गिरफ्तार किया गया था। आरोपी 7 माह से पुलिस से बचते हुए इधर-उधर छिप रहा था। पुलिस ने लगातार तलाश करते आरोपी को पकड़ा। आरोपी पर बाइक चोरी करने का मामला दर्ज है।

दामाद को कमरे में बंद कर पेट्रोल छिड़ककर जलाया

भरतपुर। भरतपुर जिले के भुसावर थाना क्षेत्र के गांव इटामड़ा में ससुराल वालों ने किसी बात को लेकर दामाद को कमरे में बंद कर व पेट्रोल छिड़ककर जला दिया। गंभीर रूप से झुलसे दामाद की जयपुर के एसएमएस अस्पताल में उपचार के दौरान गुरुवार शाम को मौत हो गई। भुसावर थाना प्रभारी विजय सिंह ने बताया कि करौली जिले के गांव नांगल लाट निवासी मनीराम 29 अक्टूबर को अपनी पत्नी को लेने ससुराल गांव इटामाड़ा गया था। वहां उसकी ससुराल पक्ष से कहासुनी हो गई। जिस पर ससुराल पक्ष के लोगों ने पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। जिससे मनीराम की मौत हो गई।

शुद्ध के लिए युद्ध, 250 किलो सोहन हलवा किया नष्ट

अजमेर। शुद्ध के लिए युद्ध अभियान के तहत चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम ने शुक्रवार को नागफणी क्षेत्र में दबिश देकर एक फैक्ट्री से 250 किलो दूषित सोहन हलवे को नष्ट करवाया। इसके बाद फैक्ट्री मैनेजर को नोटिस देकर पाबंद भी किया गया। टीम ने एक अन्य फैक्ट्री से भी सैंपल लिए हैं। खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुशील चोटवानी ने बताया कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से दीपावली को देखते हुए शुद्ध के लिए युद्ध अभियान चलाया जा रहा है। इसे लेकर अलग-अलग टीम बनाई गई हैं। टीम ने मिठाई व्यापारियों को अच्छी क्वालिटी की सामग्री उपयोग में लेने के लिए पाबंद किया है।

पूर्व विधायक गुंजल बोले-लोकसभा अध्यक्ष बड़े नेता, इसलिए उनसे चुनावी चर्चा जरूरी

कोटा उत्तर से गुंजल का टिकट अटका, बिरला से की मंत्रणा

बेधड़क | कोटा

कोटा संभाग के साथ प्रदेश की राजनीति में नया अध्याय शुरू हो गया है। कोटा उत्तर के पूर्व विधायक प्रहलाद गुंजल एक बार फिर आज सुबह लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के कैंप कार्यालय पहुंचे और काफी देर तक मंत्रणा की।

प्रहलाद गुंजल बीती रात को भी कैंप कर ले पहुंचे थे और करीब 2 घंटे तक उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से चुनाव को लेकर और उनके टिकट को लेकर मंत्रणा की थी। उसके बाद रात करीब 12:15 बजे वह उनके कमरे से बाहर आए और मीडिया ने जब उनसे सवाल किया तो वह केवल यह कहते हुए निकल गए कि लोकसभा अध्यक्ष बड़े नेता है उनकी लोकसभा में आठ विधानसभा आती है जिसमें मेरी भी एक विधानसभा है, इसलिए चुनाव को लेकर चर्चा की गई थी। लेकिन आज सुबह फिर वह एक बार लोकसभा अध्यक्ष कार्यालय पहुंचे और बिरला से मुलाकात की। बता दें कि दोनों नेताओं को एक दूसरे का धुर विरोधी माना जाता है। ऐसे में दोनों की मुलाकात ने चर्चाओं का बाजार गर्म कर दिया है।

सोशल मीडिया पर चर्चाओं की बाढ़

इस मुलाकात से पूरे राजस्थान में राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है। प्रहलाद गुंजल, वसुंधरा राजे खेमे के माने जाते हैं जबकि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से गुंजल की हमेशा से ही दूरियां रही है। शायद ही कोई ऐसा मंच होगा जहां इन्हें साथ देखा गया हो। मीडिया से बातचीत में गुंजल ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष एक बड़ा पद है और हमारे सांसद हैं इसलिए आठों विधानसभाओं पर चर्चा की गई है। पार्टी पर विश्वास है कि वह टिकट देगी। सर्वे के आधार पर भी पार्टी को पता है कि कौन जीत सकता है। प्रहलाद गुंजल का लोकसभा अध्यक्ष से मिलना कोटा शहर के हर क्षेत्र में चर्चा का विषय बना है।

धारीवाल को दंड देगी जनता

कोटा उत्तर के बारे में पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि 2013 में हम जीते हैं और 2018 में धारीवाल जी ने झूठ बोला था कि हम 10 दिन में केईडीएल बिजली कम्पनी को कोटा से भगा देंगे। लेकिन नहीं हटा सके, गुंजल ने कहा कि लोग भ्रम में आ गए झूठ बोलकर विश्वास जीतना जीत नहीं होती ठगी होती है। इस बार लोग उसका उन्हें दंड दे देंगे। मैं पिछले 10 वर्षों से लगातार काम कर रहा हूं मुझे विश्वास है कि पार्टी मेरे पक्ष में निर्णय करेगी। अंदर की चर्चा पर उन्होंने कहा कि अंदर की बात नहीं बता सकते। उनके साथ मिलकर विधानसभाओं को जीतने के लिए रणनीति बनानी है। इस पर चर्चा हुई है।

लंबे समय से अदावत

स्पीकर बिरला और प्रहलाद गुंजल के बीच लंबे समय से अदावत चली आ रही है। दोनों एक दूसरे के धुर विरोधी माने जाते हैं। दोनों एक मंच को भी शेयर करने से कतराते रहे हैं। दोनों एक ही पार्टी में है, लेकिन दोनों के कार्यकर्ताओं की टीम अलग-अलग है। साथ ही एक दूसरे के कार्यकर्ताओं पर चुनाव में खिलाफ काम करने के आरोप भी लगते रहे हैं।

विधानसभा चुनाव: नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया तेज

डॉ. किरोड़ी लाल मीणा और दानिश अबरार ने भरा पर्चा

बेधड़क | सवाई माधोपुर

विधानसभा चुनाव के प्रत्याशियों की नामंकन प्रक्रिया अब तेज हो गई है। विभिन्न दलों के उम्मीदवार अपने समर्थक और रैली के साथ नामांकन दाखिल करने पहुंच रहे हैं। सवाई माधोपुर विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने शुक्रवार को नामांकन भरा। इस अवसर पर सांसद एवं विद्याधर नगर विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी दीया कुमारी, सांसद सुखबीर सिंह जौनपुरिया, प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष जितेंद्र गोठवाल सहित सैंकड़ों समर्थक मौजूद रहे।

भाजपा प्रत्याशी डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने नामांकन पत्र भरने से पूर्व शहर स्थित दंडवीर बालाजी पहुंचकर विधिवत पूजा अर्चना की। इसके पश्चात जुलूस के रूप में सैकड़ों समर्थकों के साथ डॉक्टर किरोड़ी लाल मीणा जिला कलेक्ट्रेट पहुंचे। गौरतलब है कि सवाई माधोपुर विधानसभा क्षेत्र से ही पूर्व में डॉक्टर किरोड़ी लाल मीणा ने राजपा से विधानसभा का चुनाव लड़ा था, जब वे दिया कुमारी के हाथो परास्त हो गए थे।

वहीं सवाई माधोपुर से विधायक दानिश अबरार ने भी कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में आज सवाई माधोपुर विधानसभा सीट से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। महज चंद लोगों के साथ ही दानिश अबरार कलेक्ट्रेट पहुंचे। यहां रिटर्निंग अधिकारी के समक्ष कांग्रेस प्रत्याशी दानिश अबरार ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस अवसर पर सवाई माधोपुर प्रधान निरमा मीणा तथा उप जिला प्रमुख बाबूलाल मीणा भी मौजूद रहे। इसके अलावा शुक्रवार को कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, नागौर बीजेपी प्रत्याशी ज्योति मिर्धा, बीकानेर पूर्व से बीजेपी विधायक सिद्धि कुमारी, दौसा के सिकराय से ममता भूपेश सहित प्रदेशभर में आज भाजपा और कांग्रेस के कई प्रत्याशियों ने नामंकन भरा।

■ किरोड़ी दंडवीर बालाजी मंदिर में पूजा अर्चना के बाद पहुंचे कलेक्ट्रेट

देवनानी और अनीता भदेल ने भरा पर्चा

अजमेर। राजस्थान में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर नामांकन भरने का दौर जारी है। इसी कड़ी में शुक्रवार को अजमेर उत्तर से भाजपा प्रत्याशी वासुदेव देवनानी व दक्षिण से अनीता भदेल ने अपना नामांकन दाखिल किया। सुबह गांधी भवन चौराहे से दोनों प्रत्याशी रैली के रूप मे खुली जीप पर सवार होकर अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचे और नामांकन पत्र दाखिल किया।

उदयपुर से तीन उम्मीदवारों ने ठोकी ताल

उदयपुर। राजस्थान में विधानसभा चुनाव की सरगर्मियां बढ़ गई है। उदयपुर की बात करें तो आज भाजपा कांग्रेस के मुख्य 3 प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किया। वही कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव वल्लभ जिन्हें उदयपुर शहर विधानसभा सीट से प्रत्याशी बनाया गया है। वह कल नामांकन दाखिल करेंगे। उदयपुर ग्रामीण विधानसभा में दो बार से विधायक भाजपा के फूल सिंह मीणा तीसरी बार प्रत्याशी बने हैं। वहीं पिछली बार हारने के बाद भी कांग्रेस पार्टी ने विवेक कटारा पर भरोसा जताया है। इन दोनों ने ही आज नामांकन दाखिल किया है। उदयपुर शहर विधानसभा से आमने सामने कांग्रेस पार्टी से पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव वल्लभ और भाजपा से पहली बार चुनाव लड़ रहे ताराचंद जैन है। इनमें से ताराचंद जैन ने आज अपना नामांकन दाखिल किया है।

राठौड़ ने तारानगर से भरा नामांकन

राजस्थान के नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने शुक्रवार को आगामी विधानसभा के लिए तारानगर निर्वाचन क्षेत्र से अपना नामांकन दाखिल किया। भाजपा विधायक और एलओपी राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि यहां कमल खिलेगा। इस सीट को हम हॉट सीट कह सकते हैं। इस बार भाजपा जरूर जीतेगी। वहीं, राजस्थान में प्रवर्तन निदेशालय की छापेमारी को लेकर कांग्रेस की प्रतिक्रिया पर भाजपा विधायक राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि जब पुरानी करतूतें उजागर होने लगती हैं तो ऐसे ही सवाल उठते हैं। ईडी की कार्रवाई कानून सम्मत है।

कांग्रेस ने हर वर्ग के साथ किया धोखा: शेखावत

अजमेर। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि राज्य की कांग्रेस सरकार धोखेबाज है। इसने किसानों और युवकों सहित समाज के हर वर्ग से धोखा किया है। इस बार इस सरकार को बदलना ही होगा। शेखावत शुक्रवार को किशनगढ़ में भाजपा प्रत्याशी भागीरथ चौधरी की नामांकन रैली को संबोधित कर रहे थे। भागीरथ चौधरी ने शुक्रवार को नामंकन भरा। शेखावत ने कहा कि चुनावी युद्ध का शंखनाद हो चुका है। दोनों तरफ की सेनाएं सज चुकी हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में कांग्रेस ने युवओं को झूठ का आईना दिखाया। कांग्रेस छल और फरेब करके सत्ता में आई। इस सरकार ने किसानों के साथ कर्जमाफी का वादा किया था। वह नहीं हुई, उल्टे हजारों किसानों की जमीन नीलाम हुई। कांग्रेस सरकार के धोखे से हजारों किसानों ने आत्महत्या की।

BJP प्रत्याशी चंद्रमोहन मीणा का शक्ति प्रदर्शन

बस्सी। नामांकन भरने के आज 5वें दिन बस्सी से भाजपा प्रत्याशी चंद्रमोहन मीणा ने अपने हजारों समर्थको के साथ मिलकर रैली निकालकर नामांकन दाखिल किया। इस दौरान समर्थकों के रूप मे चंद्रमोहन का जनाधार दिखाई दिया। नामांकन रैली के दौरान भाजपा नेता सतीश पूनियां व दौसा के पूर्व विधायक व भाजपा प्रत्याशी शंकर शर्मा भी साथ रहे। रैली के बाद बस्सी मे एक सभा का आयोजन किया गया जिसमे हजारों की संख्या मे लोग मौजूद रहे। इस दौरान सतीश पूनियां ने चंद्रमोहन मीणा को जिताने की अपील की।

हत्यारों को गिरफ्तार करने की मांग

सर तन से जुदा की धमकी दे रहे आरोपी

■ केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री ने सरकार को घेरा

बेधड़क | जोधपुर

बालोतरा जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र में एक ग्रामीण की हत्या के मामले ने तूल पकड़ लिया है। 29 अक्टूबर को कल्याणपुर थाना क्षेत्र निवसी ओमाराम का बकरी चराने को लेकर रोशन खान पुत्र शेरू खान से झगड़ा हुआ था।

31 अक्टूबर को ओमाराम रिपोर्ट दर्ज करा घर लौट रहा था। इस दौरान नेवरी गांव के पास बाइक सवार ओमाराम को बोलेरो से टक्कर मार कर नीचे गिरा दिया गया। फिर लाठी व सरियों से हमला किया गया था, जिसमें ओमाराम की मौत हो गई थी। अब ग्रामीण आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए हैं। शुक्रवार को केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी भी एमडीएम मोर्चरी के बाहर धरना स्थल पर पहुंचे। चौधरी ने गहलोत सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि प्रदेश में जंगलराज चल रहा है। एक ग्रामीण की हत्या कर दी गई और उसके साथ जो शख्स था, उसे भी जान से मारने की धमकी दी जा रही है।

सर तन से जुदा करने के मैसेज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह सनातन धर्म पर चोट है। इस मामले में पुलिस की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं। मंत्री ने कहा कि जल्द इस मामले में कार्रवाई और निर्णय नहीं हुआ तो आंदोलन लंबा होगा।

वहीं, बालोतरा एसपी हरि शंकर ने बताया कि परिवादी की रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर जांच जा रही है। वहीं मंडली थाना पुलिस की लापरवाही के आरोपों पर उन्होंने कहा कि बालोतरा सीओ को जांच दी गई है, जांच में दोषी पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी।

दो आतंकियों की जमानत याचिका हुई खारिज

बेधड़क | जोधपुर

राजस्थान हाईकोर्ट के जस्टिस कुलदीप माथुर ने जोधपुर में आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने और दहशत फैलाने के मामले में गिरफ्तार दो आरोपियों की जमानत खारिज कर दी।

अतिरिक्त महाधिवक्ता अनिल जोशी ने दोनों आरोपी मोहम्मद अमार यासिर व मोहम्मद मारूफ की जमानत का विरोध करते हुए कहा कि इन्हें आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने व स्लीपर सेल बनाने के आरोप में दिल्ली की स्पेशल टीम व एटीएस ने गिरफ्तार किया था। जोधपुर के प्रतापनगर थाने में 23 मार्च 2014 को एक एफआईआर दर्ज करते हुए दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल द्वारा 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। स्पेशल टीम ने सभी आरोपियों के खिलाफ विधि विरूद्ध गतिविधि निवारण अधिनियम, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम और आईपीसी की विभिन्न धारा 120 बी, 121, 121 ए 122, 465, 468, 471, 212 सहित कई धाराओं में चार्जशीट पेश की थी। उन पर जोधपुर में लोगों को आतंकी संगठन इंडियन मुजाहिद्दीन के सदस्य बनाकर देश के विरूद्ध जेहाद की शपथ दिलाने का भी आरोप है।

पशुओं को बचाने के चक्कर में हादसे

चौहटन में ट्रैक्टर पलटने से एक युवक की मौत, तीन लोग गंभीर घायल

बेधड़क | बाड़मेर

ट्रैक्टर पलटने से एक युवक की मौत हो गई और तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। ट्रैक्टर पर बैठकर 5-6 लोग पड़ोस के गांव खेत में काम करने के लिए जा रहे थे। बीच रास्ते पशु आ जाने से ट्रैक्टर अचानक पलट गया। ट्रैक्टर के नीचे दबने से एक युवक की मौत हो गई, तीन अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना बाड़मेर जिले के चौहटन पूंजासर गांव के पास की है। जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को हॉस्पिटल पहुंचाया। वहीं शव को चौहटन हॉस्पिटल की मॉर्चुरी में रखवाया। परिजनों की रिपोर्ट पर पुलिस आगे की कार्रवाई करेगी।

खेत में काम पर जा रहे थे लोग

पुलिस के अनुसार पूंजासर गांव निवासी मुरीद पुत्र हसन खान, सरादीन पुत्र सुजान खान, निजाम पुत्र अमीन और अदरीम पुत्र आलम व दो अन्य लोग ट्रैक्टर से पड़ोस गांव खेत में काम करने के लिए जा रहे थे। गांव से थोड़ी दूरी पर ट्रैक्टर बेकाबू होकर पलट गया। ट्रैक्टर के नीचे दबने से मुरीद पुत्र हसन खान निवासी पूंजासर की मौत हो गई। वहीं तीन अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों ने घायलों को चौहटन हॉस्पिटल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद घायल अदरीम का एक हाथ फ्रेक्चर होने व एक अन्य को गंभीर चोट लगने के कारण बाड़मेर डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया। वहीं एक का चौहटन हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है।

नील गाय को बचाने के चक्कर में पलटी बोलेरो, हादसे में 10 लोग घायल

नागौर। नागौर के खींवसर के पास पांचौड़ी गांव की साठिका रोड पर नीलगाय को बचाने के चक्कर में सवारियों से भरी बोलेरो गाड़ी पलटी खा गई। जिससे बोलेरो में सवार आठ से दस मजदूर घायल हो गए। ये सभी मजदूर एक खेत में काम करने जा रहे थे। हादसा होने पर ग्रामीणों ने 108 की मदद से घायलों को पांचौड़ी के राजकीय अस्पताल पहुंचाया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद नागौर जेएलएन अस्पताल रेफर किया गया। हादसे में एक घायल की हालत नाजुक बताई जा रही है।

हादसे की सूचना पर पांचौड़ी पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुटने के साथ घायलों को अस्पताल पहुंचाने में लगी। जानकारी अनुसार सभी मजदूर करणू से साठिका खेत में मजदूरी करने जा रहे थे, तब हादसा हुआ। हादसे में बिरलोका रहने वाले 26 साल के पुनाराम पुत्र बंशी राम, पांचला सिद्धा रहने वाले 25 साल के लक्ष्मण पुत्र भैया राम पिंपलिया रहने वाले 60 साल के गोविंद राम पुत्र नवल राम, करनू रहने वाले 12 साल के मनजीत पुत्र चुनाराम, पांचला सिद्धा रहने वाली 30 साल की ज्योति पत्नी सुखराम, पांचला रहने वाली 8 साल की माया पुत्री पप्पू राम, कुमारी रहने वाली 25 साल की गुड्डी देवी पत्नी दिनेश और पांचला की ही रहने वाली 13 साल की नैनी पुत्री धनाराम घायल हो गए। जिनका उपचार अस्पताल में जारी है।

चुनावी पोळ

पर्चा भरण पर जोर है,
लिस्ट में आयो नाम।
बागी बैठ्या बंतळ करैं,
जो जीत्या वही सरनाम।।

■ गजानन

विधानसभा चुनाव | **किसकी झोली में जाएंगे अनुसूचित जाति के वोट**

चौधर तो चौधर्‌यां कै कनै ई रैवसी पण आसी 'नानी जात्यां' रै वोटां रै पाण

गजानंद शर्मा | बेधड़क

जयपुर। राजस्थान में चुनावी तस्वीर अब साफ होने के करीब है। लंबे मंथन और मंत्रणा के बाद भाजपा अब तक चार सूचियों में राज्य की 200 विधानसभा सीटों में से 182 सीटों पर अपने प्रत्याशी घोषित कर चुकी है, वहीं कांग्रेस भी सीटों पर अपने प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतार चुकी है। सूची से साफ है कि दोनों पार्टियों की निगाहें अर्जुन की आंख की तरह जीत पर टिकी हैं। जीत की लालसा में भाजपा ने तो एक दिन पहले पार्टी में आए लोगों को न केवल गले लगाया है बल्कि टिकट से भी नवाजा है। कांग्रेस और भाजपा के अधिकतर प्रत्याशियों की घोषणा से दोनों पार्टियों के सियासी व सामाजिक समीकरण साधने की रणनीति भी सामने आ रही है। ओबीसी वोटों को साधना दोनों पार्टियों की रणनीति का अहम हिस्सा है, लेकिन जीत में अनुसूचित जातियों की भी बड़ी भूमिका रहने वाली है।

राजस्थान में ओबीसी वोटों की राजनीतिक ताकत मुख्यतः चार पांच जातियों के हाथों में केंद्रित हैं क्योंकि वे अन्य से अधिक संगठित, सबल और एकजुट हैं और एक अंचल विशेष में अपना प्रभुत्व रखती हैं, जहां उस जाति विशेष के प्रत्याशी को छोड़कर अन्य किसी जाति के प्रत्याशी की जीत का चमत्कार उस विधानसभा क्षेत्र के तात्कालिक समीकरणों की वजह से होते रहे हैं, लेकिन ओबीसी को धुरी बनाकर चुनाव लड़ रही कांग्रेस और भाजपा के सामने अनुसूचित जातियों के वोट हासिल करना बहुत अहम चुनौती होगी, क्योंकि अब इनके वोटों पर किसी ओर की भी नजर टिकी हुई है। कभी अनुसूचित जाति के वोट कांग्रेस के पारम्परिक वोट थे, लेकिन बहुजन समाज पार्टी के अभ्युदय के बाद ये कांग्रेस से छिटकने लगे और अब इन पर चंद्रशेखर आजाद रावण की पार्टी की भी नजर है।

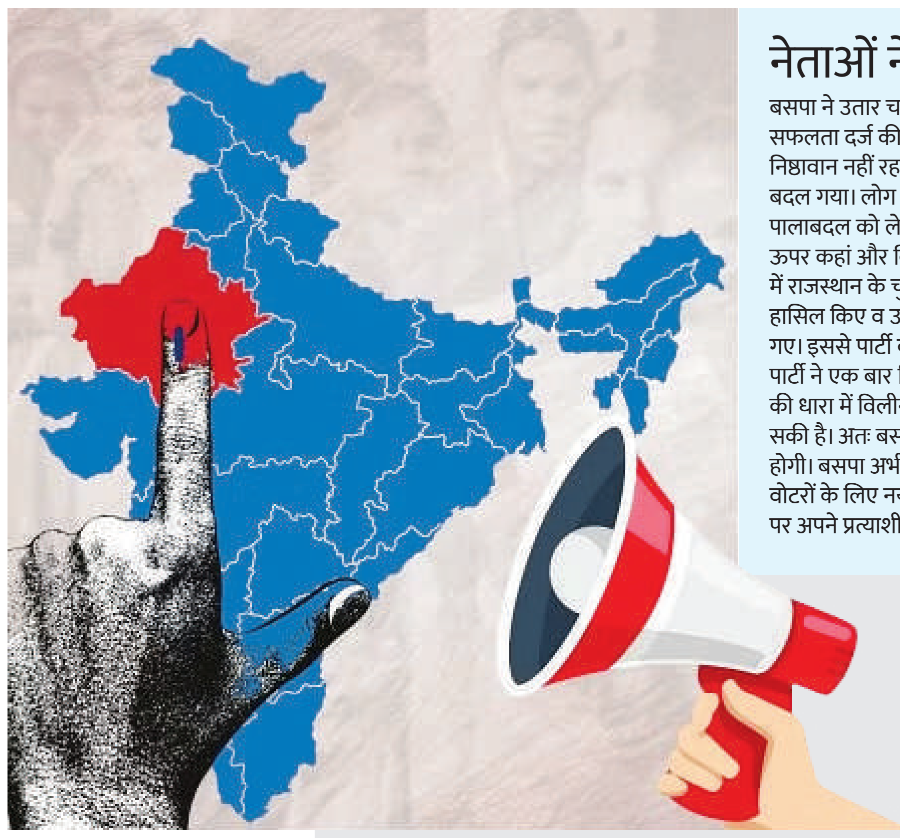

नेताओं ने गिराई बसपा की साख

बसपा ने उतार चढ़ाव के बीच पिछले कुछ चुनावों में राजस्थान में कई सीटों पर चुनावी सफलता दर्ज की, लेकिन पार्टी के विजयी प्रत्याशी जीत के बाद अपनी पार्टी के साथ निष्ठावान नहीं रह सके और सत्ता के समीकरणों पर उनकी पार्टी के प्रति निष्ठा का रंग बदल गया। लोग बसपा के बढ़ते प्रभाव व जनाधार पर उसके विजयी प्रत्याशियों के पालाबदल को लेकर सवाल उठाते रहते हैं, इसलिए इस बार चुनावों में मतदाता इसके ऊपर कहां और कितना भरोसा करेगा, अभी यह कहना जल्दबाजी होगी। बसपा ने 1993 में राजस्थान के चुनावी रण में दस्तक दी थी। 2008 में पार्टी ने करीब 7 फीसदी वोट हासिल किए व उसके छह उम्मीदवार विधानसभा पहुंचे, लेकिन बाद में वे कांग्रेस में चले गए। इससे पार्टी का 2013 में वोट प्रतिशत घटकर इसका आधा रह गया था। 2018 में पार्टी ने एक बार फिर छह सीटों पर जीत दर्ज की, लेकिन जीते हुए प्रत्याशी फिर कांग्रेस की धारा में विलीन हो गए। साफ है बसपा एक विश्वसनीय विपक्षी दल की छवि नहीं बना सकी है। अतः बसपा के लिए अपने कोर वोटर को पार्टी से जोड़े रखना भी एक चुनौती होगी। बसपा अभी तक 84 सीटों पर अपने प्रत्याशी घोषित कर चुकी है और अनुसूचित वोटरों के लिए नया चुनावी चेहरा बनकर उभर रहे चंद्रशेखर रावण की पार्टी भी 17 सीटों पर अपने प्रत्याशी घोषित कर चुकी है।

रावण-बेनीवाल की जुगलबंदी से पड़ेगा प्रभाव

चंद्रशेखर की पार्टी, हनुमान बेनीवाल की आरएलपी के साथ चुनाव मैदान में उतर रही है। यह एक तरह का रणनीतिक गठबंधन है। हनुमान बेनीवाल का कोर वोटर जाट मतदाताओं का एक हिस्सा माना जाता है। ऐसे में क्या राजस्थान में जाट व अनुसचित जाति के मतों का ध्रुवीकरण एक प्रबल गठबंधन का रास्ता खोल देगा? फिलहाल इसके आसार कम हैं, क्योंकि दोनों ही अपने अपने समाज के सर्वमान्य और शिखर नेता होने की आकांक्षा को पूरा नहीं करते हैं, लेकिन चुनावी दौड़ के बीच स्थानीय समीकरण सधने पर वे कहीं भी वोटों का रुख मोड़ सकते हैं। बेनीवाल व चंद्रशेखर की जुगलबंदी पश्चिम राजस्थान के सामाजिक समीकरण प्रभावित कर सकती हैं क्योंकि बेनीवाल का प्रभाव क्षेत्र उस ओर ही है। राजस्थान विधानसभा की 200 सीटों में से 59 सीटें सुरक्षित हैं, जिनमें से अनुसूचित जाति के लिए 34 और अनुसूचित जनजाति के लिए कुल 25 सीटें आरक्षित हैं। अनुसूचित जाति की राज्य में करीब 17-18 प्रतिशत आबादी है। 2013 में भाजपा की सत्ता में वापसी हो या 2018 में कांग्रेस का फिर सत्ता में लौटना अनुसचित जाति की सीटें और वोट अहम रही हैं। इसलिए इस बार ये वोट किस करवट बैठेंगे, यह बहुत अहम है। खासकर ओबीसी केंद्रित वे सीटें जहां कांग्रेस व भाजपा दोनों के प्रत्याशी एक ही जाति से हैं, वहां इनके मतों की भूमिका निर्णायक हो सकती है। इनमें किसी भी प्रकार की टूट व सेंध दोनों पार्टियों के लिए नुकसानदायक हो सकती है। ग्रामीण अंचल के एक वोटर की यह टिप्पणी बहुत अहम है कि चौधर तो चौधर् यां कै कनै ई रहणी है, पण चौधर आसी नानी जात्यां रै वोटां रै पाण ई(यानी जीत तो प्रभावशाली जातियों की होगी परन्तु कम आबादी जातियों के वोटों से ही जीत हासिल होगी।

बिहाइंड | **द कर्टेन**

खुद का माहौल नहीं बना पाए... दूसरों का बनाएंगे

देश और प्रदेश की राजधानियों में बैठे नेताओं ने टिकट बांटने का काम पूरा कर दिया। आलाकमान, कोर कमेटी और स्क्रीनिंग कमेटियों ने खूब मंथन किया। प्रत्याशी तय करने के कई नियम और फार्मूले तय किए थे। सर्वे भी कराए थे। एक-एक सीट को कैटेगराइज किया था। हर सूची के साथ पता चलता गया कि पार्टी या संगठन के प्रति वफादारी, जनता के बीच लोकप्रियता कहने की बातें हैं। लिस्ट दर लिस्ट बवाल होता गया। किसे टिकट दिए, किस आधार पर दिए और किस वजह से कटे, कोई नहीं जानता। आरोप तो टिकट बिकने तक के लगे हैं। महीनों पहले शुरू हुई उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया का अंत ऐसा होगा किसी को उम्मीद नहीं थी। अपनी पार्टी में जो उम्मीदवारी जता रहे थे उन्हें छोड़ दिया। उन लोगों को टिकट दे दिए जो कुछ घंटे पहले दूसरी पार्टी छोड़ कर आए थे। दोनों तरफ से दलबदलुओं-बागियों को मौका मिला। नतीजा सबके सामने है। कई पूर्व विधायकों ने निर्दलीय लड़ने का ऐलान कर दिया है। कुछ ने थर्ड फ्रंट का दामन थाम लिया है। कुछ ऐसे हैं जो टिकट मिलने के बाद भी खुश नहीं हैं। ये सब चलता रहेगा। अब आगे बढ़ने का समय है। तो स्टार प्रचारकों को मैदान में भेजा जाएगा। कौन हैं ये स्टार प्रचारक! सूची देखें तो पता चलेगा कि जिन्हें अब स्टार प्रचारक बताया जा रहा है उनमें से कई को कुछ दिन पहले तो पार्टी के आला नेता तवज्जो देने को तैयार नहीं थे। आमने-सामने होने पर भी रामा-श्यामा नहीं होती थी। कई ऐसे हैं जिनकी पूरे राज्य में पहचान ही नहीं है। कुछ ऐसे हैं जो पहले चुनाव लड़ना चाहते थे, पर माहौल देखा तो तोते उड़ गए। एक सेफ सीट तक नहीं तलाश पाए। जिन्हें अपने लिए माहौल अनुकूल नहीं लगा वे दूसरों के लिए माहौल बनाएंगे। कोई केंद्र सरकार की आलोचना करेगा तो कोई राज्य सरकार को निशाने पर लेगा। प्रचार की रणनीति बनाई जा रही है। नए-नए नारे गढ़े जा रहे हैं। विशेषज्ञ ऐजेंसियां बताएंगी कि क्या वादा किया जाए और किन योजनाओं पर जोर दिया जाए। होर्डिंग्स में किन नेताओं के फोटो को प्रमुखता दी जाए। हेलिकॉप्टर और चार्टर प्लेन बुक किए जा रहे हैं। आमसभाएं और रोड शो होंगे। इस सब के बीच आम मतदाता खामोश है। देखते हैं क्या फैसला देता है। रिपीट करेगा या बदल देगा। इंतजार करें नतीजों का।

■ यायावर

ई | **वॉर**

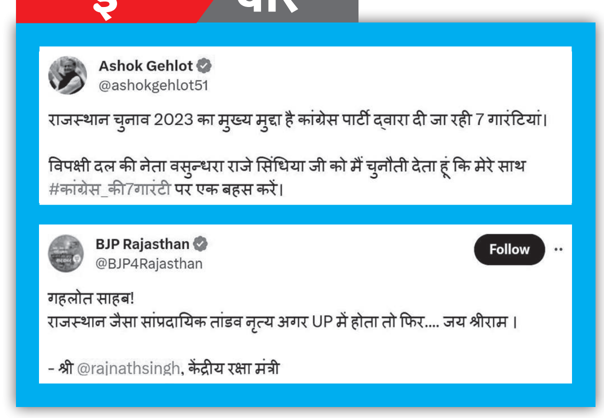

Ashok Gehlot
@ashokgehlot51

राजस्थान चुनाव 2023 का मुख्य मुद्दा है कांग्रेस पार्टी द्वारा दी जा रही 7 गारंटियां।

विपक्षी दल की नेता वसुन्धरा राजे सिंधिया जी को मैं चुनौती देता हूं कि मेरे साथ #कांग्रेस_की7गारंटी पर एक बहस करें।

BJP Rajasthan
@BJP4Rajasthan
Follow

गहलोत साहब!
राजस्थान जैसा सांप्रदायिक तांडव नृत्य अगर UP में होता तो फिर.... जय श्रीराम ।

- श्री @rajnathsingh, केंद्रीय रक्षा मंत्री

थड़ी | **पॉलीटिक्स**

साम-दाम-दंड-भेद, जैसे भी हो सत्ता आनी चाहिए

स्थान टी-स्टॉल **समय** दोपहर 2:45 बजे

वैशाली नगर, जयपुर

जैसे-जैसे शामें ठंडी होती जा रही हैं, वैसे-वैसे चुनावों का माहौल गर्म होता जा रहा है। चुनावी चकल्लस कई लेवल ऊपर पहुंच गई है। चुनावी दंगल के अधिकांश पहलवान तय हो चुके हैं तो नेताओं के दौरे, चुनावी सभाएं, आरोपों-प्रत्यारोपों के दौर और सत्ता तक पहुंचने की जोर आजमाइश धीरे-धीरे चरम की ओर जा रही है। प्रदेश के नेताओं से लेकर देश के नेता तक अपना पूरा दम-खम झोंक रहे हैं। लेकिन चुनावी सभाओं में दिखने वाली और चुनावी दौरों में नेताओं के पीछे चलने वाली भीड़ राजनीति का रुख बताने के लिए काफी नहीं होती। जनता क्या सोचती है, क्या चाहती है? इसका पता चुनावी रैलियों, सभाओं में नहीं बल्कि यहां वहां जमने वाली मंडलियों में चलता है, चौपालों पर चलता है। कई बहुत हल्के अंदाज में कही गई बातें राजनीतिक दौर के गंभीर मायने बताती हैं, तो कई गंभीर चर्चाओं का सार बहुत हल्का निकलता है। लोगों की इन्हीं चर्चाओं से राजनीति के ऊंट की करवट का अंदाजा लगाने आज हम पहुंचे हैं वैशाली नगर में एक टी-स्टॉल पर। यहां अलग-अलग टोलियों में जमे बैठे युवा एक दूसरे से हंसी ठिठोली के साथ चाय की चुस्कियां ले रहे थे। "भाई देखलो, फिर चुनाव में छापों का सिस्टम शुरू हो गया। चुनाव से पहले क्या इनको दिखाई नहीं देता भ्रष्टाचार जो चुनाव आते ही एक ही पार्टी के नेताओं को लाइन में लगाना शुरू कर दिया एजेंसियों ने।" एक मंडली में चाय की चुस्की की आवाज के बाद ईडी के हालिया छापों का मुद्दा उठा तो इससे भी भारी आवाज में जवाब आया-"तो चुनाव में भी काम तो सारे होंगे ना। और छापे ना मारो तो लोग बोलेंगे सब मिले हुए हैं, छापे मारो तो बोलते हैं क्यों मार दिए। और ये कोई नई बात तो है नहीं, पहले भी होती रही है।सबसे बड़ी बात है कि चाहे कोई भी भ्रष्टाचार करे उसको सजा मिलनी ही चाहिए।" तीसरी आवाज भी सुर में सुर मिलाती है-" गुरू, हर पार्टी जीतने के लिए ही चुनाव लड़ती है। राजनीति है ये, इसमें सब चलता है। साम-दाम-दंड-भेद से बस सत्ता आनी चाहिए। इसलिए किसी को दोष मत दो।" चौथी आवाज से पूरी चर्चा का सार बाहर आता है-"भाई, देखो असली बात ये है कि जिन पर छापे पड़ रहे हैं, उनके हाथ में पावर होगा तो वो भी यही करेंगे। एक बात बताओ किसी भी नेता से तुमने अपनी पार्टी के नेताओं के खिलाफ कुछ सुना क्या, बस उसका टिकट नहीं कटा होना चाहिए फिर उसके लिए अपनी पार्टी के नेता भगवान ही हैं। वैसे ये सारे एक ही हैं, कोई अलग नहीं है।" और राजनीति के इस कड़वे सच को आइना दिखाते हुए चर्चा यहीं समाप्त हुई।

पॉली | **क्लिक्स**

चुनावी धक्का

राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने राजनीति में आने के बाद जीवन के पहले चुनाव में ही जयपुर ग्रामीण लोकसभा सीट से शानदार जीत हासिल की थी। अब भाजपा की ओर से झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र से उन्हें उतारा गया है। स्थानीय भाजपा नेताओं के विरोध के बीच लगातार वे जनता के बीच जाकर सीट पक्की करने में लगे हैं। एक दौरे के दौरान सड़क पर फंसी गाड़ी को निकालने में मदद के लिए धक्का लगाते हुए शायद वे कह रहे हैं- "मैं तुम्हारी गाड़ी निकलवाता हूं, तुम मेरी निकलवाओ।"

पॉली | **टून**

चुनावी | **इतिहास के झरोखे से**

पहाड़िया के नाम है सर्वाधिक मतों से उपचुनाव जीतने का रिकॉर्ड

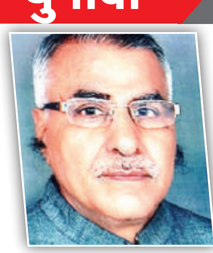

■ *गुलाब बत्रा, वरिष्ठ पत्रकार*
gulabbatra@gmail.com

राजस्थान के चार राजनेताओं को मुख्यमंत्री पद पर बने रहने के लिए राजस्थान विधानसभा के उपचुनावों का सहारा लेना पड़ा। इनमें कांग्रेस के जगन्नाथ पहाड़िया सर्वाधिक मतों के अंतर से विजयी हुए। अशोक गहलोत, भैरों सिंह शेखावत और जयनारायण व्यास का नम्बर इसी क्रम से है। राज्य में अब तक हुए 97 उपचुनावों में तेरह महिलाओं को सफलता मिली है।

स्वाधीनता के पश्चात वर्ष 1952 प्रथम आम चुनाव में शेरे राजस्थान के नाम से चर्चित कवि पत्रकार जयनारायण व्यास ने जोधपुर एवं जालोर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ा। उनका सामना निर्दलीय प्रत्याशी एवं पूर्व राजपरिवार के हनवंत सिंह से था। व्यास दोनों निर्वाचन क्षेत्रों से पराजित हुए। बाद में अजमेर जिले के किशनगढ़ क्षेत्र से निर्वाचित विधायक के त्यागपत्र से रिक्त सीट के लिए व्यास ने चुनाव लड़ा। जयनारायण व्यास ने निर्दलीय अमरदान को केवल 2211 मतों से पराजित किया। व्यास को 10 हजार 220 वोट मिले।

आपातकाल के पश्चात 1977 में केन्द्र में प्रथम बार गठित गैर कांग्रेस सरकार ने राज्यों में कार्यरत कांग्रेस सरकारों को बर्खास्त किया। हरिदेव जोशी सरकार की बर्खास्तगी के पश्चात जनता पार्टी विधायक दल के नेता के चुनाव में तत्कालीन जनसंघ के नेता भैरोसिंह शेखावत ने मास्टर आदित्येन्द्र को पराजित किया। मुख्यमंत्री पद पर बने रहने के लिए बारां जिले के छबड़ा से चुने गए प्रेम सिंह सिंघवी से त्यागपत्र दिलवाया गया। शेखावत ने 18 अक्टूबर 1977 को सम्पन्न उपचुनाव में कांग्रेस के रामप्रसाद को 32945 मतों के अंतर से पराजित किया। शेखावत को 40905 वोट तथा कांग्रेस प्रत्याशी को 7960 वोट मिले।

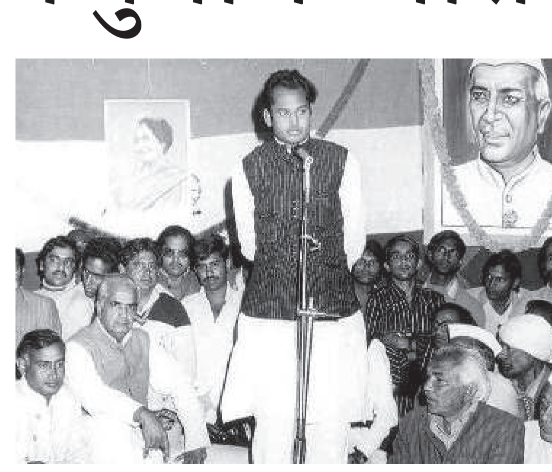

देश का राजनीतिक परिदृश्य फिर बदला। मोरारजी देसाई की अगुवाई में बनी सरकार अर्न्तविरोध के चलते टिक नहीं सकी। वर्ष 1980 के चुनाव में पुनः इंदिरा गांधी की कांग्रेस सरकार बनी। इस सरकार ने भी जनता पार्टी नीत सरकारों को बर्खास्त किया। शेखावत मंत्रिमंडल की बर्खास्तगी हुई और केन्द्रीय मंत्री जगन्नाथ पहाड़िया को पार्टी हाईकमान ने मुख्यमंत्री पद का दायित्व सौंपने की पहल की। वैर विधानसभा क्षेत्र में 23 नवम्बर 1980 को सम्पन्न उपचुनाव में पहाड़िया ने रिकॉर्ड तोड़ वोटों के अंतर से जीत हासिल की। उन्होंने सत्यपाल को 58879 मतों के भारी भरकम अंतर से पराजित किया। पहाड़िया को 61 हजार 553 वोट मिले जबकि प्रतिद्वंदी को केवल 2674 मत प्राप्त हुए। पहाड़िया अल्प अवधि तक अपने पद पर रहे। उनके स्थान पर अप्रत्याशित रूप से शिवचरण माथुर की ताजपोशी हुई। अब तक हुए 97 उपचुनावों में कांग्रेस को 59 बार सफलता मिली है। पांच हजार से अधिक मतों के अंतर से जीतने वाले कुल 51 प्रत्याशी हैं। इनमें 27 प्रत्याशी दस हजार तथा 12 प्रत्याशी 20 हजार से भी अधिक वोटों से जीत कर चुके हैं। एक दर्जन से भी अधिक ऐसे क्षेत्र हैं जहां दो या अधिक बार उपचुनाव हुआ है लेकिन प्रथम विधानसभा मे 17 स्थानों पर उपचुनाव का कीर्तिमान कायम है।

गहलोत के लिए देवड़ा ने छोड़ी थी सीट

अब कहानी वर्तमान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की जो तीसरी बार शासन सत्ता की बागडोर संभाल रहे हैं। वर्ष 1998 के चुनाव के समय गहलोत प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के पद पर अधिक थे। शेखावत सरकार की लगातार दूसरी पारी के खिलाफ एन्टी इन्कंबेंसी में कांग्रेस 156 सीटो के बहुमत से जीती। पार्टी हाईकमान की इच्छानुरूप गहलोत पहली बार मुख्यमंत्री पद पर आसीन हुए। जोधपुर के सरदारपुरा विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस विधायक मानसिंह देवड़ा ने त्यागपत्र दिया और 22 फरवरी 1999 को सम्पन्न चुनाव में गहलोत 49280 वोटों के अंतर से विजयी घोषित किए गए। गहलोत को 69856 वोट तथा भाजपा प्रत्याशी मेघराज लोहिया को 20 हजार 576 मत मिले। बाद में देवड़ा को राजस्थान आवासन मंडल का अध्यक्ष बनाया गया। दूसरी एवं तीसरी पारी के मुख्यमंत्री कार्यकाल में गहलोत सरदारपुरा सीट का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

विश्वकप 2023: हमारे पास बुमराह 'द बेस्ट फास्ट बॉलर'

राजेंद्र शर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

कुछ साल पहले तक अगर कोई भारतीय क्रिकेट टीम के किसी तेज गेंदबाज की कहीं गाहे-ब-गाहे तारीफ करता था तो उसे क्रिकेट विशेषज्ञ हंसी का पात्र बना देते थे। वे ही विशेषज्ञ पैनल, वैसी ही डिबेट्स और वैसे ही खेल समीक्षक अब टीम इंडिया के फास्ट बॉलिंग अटैक को दुनिया का सर्वश्रेष्ठ आंक रहे हैं। यह देश के हर क्रिकेट प्रेमी के लिए गर्व की बात है।

दरअसल, हमारी टीम की तेज गेंदबाजों की ताकत जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शामी और मोहम्मद सिराज की तिकड़ी है। इनमें भी बुमराह आज दुनिया का सबसे उम्दा बॉलर हैं, इसमें कोई शक-सुबहा की भी बात नहीं। विश्व क्रिकेट इतिहास के सबसे अच्छे लेफ्ट आर्म फास्ट बॉलर और स्विंग के किंग माने गए वसीम अकरम का मानना है कि जसप्रीत बुमराह न सिर्फ आज के दुनिया में लाल और सफेद बॉल के सर्वश्रेष्ठ फास्ट बॉलर हैं, बल्कि उसका बॉल पर नियंत्रण उनसे भी बेहतर है। क्रिकेट इतिहास के सबसे तेज गेंदबाज रहे शोएब अख्तर अकरम की इस बात की ताईद करते हुए इसमें जोड़ते हैं कि बुमराह मिडल और डेथ ओवर्स में उतने ही घातक हैं, जितने नई गेंद के साथ। यहां गौरतलब यह है कि बुमराह की तारीफ करने वाले वसीम अकरम और शोएब अख्तर हमारे बॉर्डर और पिच पर चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के हैं, जहां से भारत या किसी भारतीय के लिए प्रशंसा की उम्मीद कतई नहीं की जा सकती। इतना ही नहीं, इस तारीफ के लिए उन्हें पाकिस्तान में ट्रोल भी किया जा रहा है। ये ट्रोलर वो ही लोग या क्रिकेटर हैं, जो वसीम-अख्तर के साथ पाक टीम में रहे शाहिद अफरीदी के दामाद शाहीन शाह अफरीदी को दुनिया का सबसे बेहतरीन फास्ट बॉलर मानते हैं और तारीफ में इतने आगे निकल जाते हैं कि उसकी तुलना स्विंग के सर्वकालीन सुल्तान वसीम अकरम से करते हैं। ऐसे में अगर खुद वसीम अकरम बुमराह इज द बेस्ट कहें तो उनको बुरा लगना ही है।

> *ये ट्रोलर वो ही लोग या क्रिकेटर हैं, जो वसीम-अख्तर के साथ पाक टीम में रहे शाहिद अफरीदी के दामाद शाहीन शाह अफरीदी को दुनिया का सबसे बेहतरीन फास्ट बॉलर मानते हैं और तारीफ में इतने आगे निकल जाते हैं कि उसकी तुलना वसीम अकरम से करते हैं। ऐसे में अगर खुद वसीम अकरम बुमराह इज द बेस्ट कहें तो उनको बुरा लगना ही है।*

अब अगर बॉलिंग लेंथ और कंट्रोल की बात को किनारे भी कर दें (जो नहीं हो सकती), तो आंकड़ों को लेकर शाहीन अफरीदी और बुमराह के प्रदर्शन का आकलन कर इस बहस का पटाक्षेप किया जा सकता है। क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट की बात करें तो वनडे इंटरनेशनल में बुमराह की औसत 16.27 (प्रति विकेट रन) और इकनॉमी 3.80 है, जबकि शाहीन अफरीदी की औसत 24 और इकनॉमी 5.50 की है। वहीं, टी-20 में देखें तो बुमराह की औसत 19.60 और इकनॉमी 6.5 है, वहीं अफरीदी की औसत 22.73 और इकनॉमी 7.63 है। टेस्ट मैच में बुमराह की औसत 21.9 और इकनॉमी 2.69 है, वहीं इस फॉर्मेट में शाहीन अफरीदी की औसत 25.58 और इकनॉमी 3.08 है। स्पष्ट है, इन आंकड़ों के आलोक में शाहीन शाह अफरीदी जसप्रीत बुमराह के सामने कहीं नहीं ठहरते।

वैसे भी वनडे में बुमराह के बाद 16.91 की औसत और 4.25 की इकनॉमी के साथ न्यूजीलैंड के खब्बू स्पिनर मिचेल सेंटनर दूसरे नंबर पर हैं। जाहिर है, शाहीन शाह अफरीदी को कमजोर टीमों के सामने किए गए प्रदर्शन के आधार पर नौसिखिए पाकिस्तानी समीक्षक बड़ा गेंदबाज बताते हैं। भारत के पूर्व कप्तान और कोच रवि शास्त्री ने तो इसी वर्ल्ड कप के एक मैच में कमेंट्री करते हुए टिप्पणी की थी कि अफरीदी वसीम अकरम नहीं हो सकता। इस बात में वाकई दम है, क्योंकि शायद ही कोई क्रिकेट का जानकार अफरीदी की तुलना अकरम से करना पसंद करे।

वर्ल्ड कप में हमारी तेज गेंदबाज तिकड़ी का कहर: वर्ल्डकप में भारतीय टीम में बेंच स्ट्रैंथ कितनी मजबूत है, इसका पता तब चला जब हार्दिक पांड्या की इंजरी के बाद मोहम्मद शामी को खेलने का मौका तो उन्होंने बुमराह के दूसरे एंड से बॉलिंग करते हुए पहले मैच में 5, दूसरे में 4 और तीसरे मैच में 5 विकेट लेकर दुनिया को चौंका दिया।

और तो और, इस प्रदर्शन के बूते सीम बॉलिंग के किंग शामी 14 वर्ल्ड कप मैचों में 45 विकेट पूरे कर श्रीनाथ और जहीर खान के 44-44 विकेट का रिकॉर्ड भी तोड़ा। साथ ही, वे वर्ल्डकप में 4 बार 5 विकेट लेने वाले पहले इंडियन बॉलर भी बन गए। इस तिकड़ी के तीसरे बॉलर मोहम्मद सिराज यानी मियां मैजिक का भी जलवा दुनिया देख रही है। इस तिकड़ी ने श्रीलंका के खिलाफ मैच में जिस तरह की बॉलिंग की है, उसने तमाम टीमों को दहशतजदा कर दिया है। इन तीनों गेंदबाजों की ताकत इनका स्विंग, सीम, लेंथ और स्पीड पर नियंत्रण है, जिससे दुनिया का हर बैटर इन्हें फेस नहीं कर पा रहा।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)

चुनावी बॉन्ड से चंदे पर अटॉर्नी जनरल की दलील

चुनावी चंदे में पारदर्शिता की जरूरत

प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ साहित्यकार
व पत्रकार

> *सरकार ने कंपनियों पर चंदा देने की सीमा भी समाप्त कर दी है। बॉन्ड के जरिए 20 हजार रुपए से ज्यादा चंदा देने वाली कंपनी या व्यक्ति का नाम भी बताना जरूरी नहीं है, जबकि इसी सरकार ने कालेधन पर अंकुश लगाने की दृष्टि से राजनीतिक दलों को मिलने वाले नकद चंदे में पारदर्शिता लाने की पहल करते हुए आम बजट में नकद चंदे की सीमा 20000 रुपए से घटाकर 2000 रुपए कर दी थी।*

देश के सबसे बड़े विधि अधिकारी 'महान्यायवादी' आर वेंकटरमणी शीर्ष न्यायालय में चुनावी बॉन्ड योजना को चुनौती देने वाली याचिकाओं की सुनवाई से पहले केंद्र सरकार का पक्ष रखा है। इस लिखित दलील में कहा है कि देश की जनता को राजनीतिक दलों को चंदा कौन देता है, यह जानने का अधिकार नहीं है। चुनावी बॉन्ड चंदा देने का एक स्वच्छ जरिया है, इसलिए इनके नाम सार्वजनिक नहीं किए जा सकते हैं। महान्यायवादी ने संविधान के अनुच्छेद 19 (1-ए) के तहत नागरिकों को चुनावी धन का स्रोत जानने का अधिकार नहीं होने की दलील भी दी। इस मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ कर रही है। इस मामले में विडंबना है कि इसी अदालत के ही 2003 में दिए एक फैसले के अनुसार हर प्रत्याशी को बाध्य किया गया है कि वह अपनी आपराधिक पृष्ठभूमि का जानकारी शपथ-पत्र में नामांकन देने के साथ दे।

साफ है कि मतदाताओं को आपराधिक छवि के उम्मीदवारों के बारे में जानने का हक तो है, लेकिन दलों के चंदे का स्रोत क्या है, इसे जानने का अधिकार नहीं है। महान्यायवादी ने इस सिलसिले में तर्क दिया है कि उम्मीदवारों के आपराधिक इतिहास को जानने के अधिकार का मतलब यह नहीं है कि पार्टियों के वित्त पोषण के बारे में जानने का अधिकार भी है। 2018 में चुनावी बॉन्ड के जरिए चंदा लेने का कानून बनाए जाने वक्त दावा किया गया था कि कालेधन पर रोक और भ्रष्टाचार पर लगाम की दृष्टि से राजनीतिक पार्टियां अब केवल निर्वाचन बॉन्ड के जरिए ही चंदा ले सकेंगी। ये बॉन्ड एक हजार, 10 हजार, 1 लाख, 10 लाख और 1 करोड़ के गुणक में उपलब्ध हैं। इन्हें केवल भारतीय स्टेट बैंक की चुनिंदा शाखाओं से ही खरीदा जा सकेगा। खरीदार को बैंक खाते से भुगतान करना होगा। तत्कालीन वित्त मंत्री अरुण जेटली ने दावा किया था कि इस व्यवस्था के शुरू होने से देश में राजनीतिक दलों को मिलने वाले चंदे की प्रक्रिया में पारदर्शिता आ जाएगी। भारत का कोई भी नागरिक या संस्था ये बॉन्ड खरीद कर दलों को देने के लिए स्वतंत्र है। बॉन्ड पर दानदाता का नाम नहीं लिखा जाएगा। ये बॉन्ड खरीदे जाने के 15 दिन के भीतर किसी भी दल को दान के रूप में दिए जा सकेंगे। इस दान को लेने का हक केवल उन दलों को होगा, जिन्हें निर्वाचन आयोग की मान्यता के साथ एक प्रतिशत से ज्यादा वोट मिले हों। इस प्रक्रिया पर असहमति जताते हुए भारत निर्वाचन आयोग ने कहा था कि आम लोगों को यह कैसे पता चल पाएगा कि किस दल या उम्मीदवार को कितना चंदा किस व्यक्ति या व्यापारी से मिला है? आयोग ने सरकार द्वारा जनप्रतिनिधित्व कानून में किए गए उस बदलाव पर भी आपत्ति दर्ज कराई थी, जिसमें राजनीतिक दल को बॉन्ड के जरिए ली गई धनराशि को ऑडिट रिपोर्ट में दर्शाने की बाध्यता खत्म कर दी है।

ये प्रावधान 'वित्त विधेयक-2017' के जरिए किए गए हैं। महान्यायवादी की दलील से साफ है कि सरकार राजनीतिक चंदे में पारदर्शिता के हक में नहीं है। वित्त विधेयक-2017 में प्रावधान है कि कोई व्यक्ति या कंपनी चेक या ई-पेमेंट के जरिए चुनावी बॉन्ड खरीद सकता है। ये बियरर चेक की तरह बियरर बॉन्ड होंगे। मसलन इन्हें दल या व्यक्ति चैकों की तरह बैंकों से भुना सकते हैं। चूंकि बॉन्ड केवल ई-ट्रांसफर या चेक से खरीदे जा सकते हैं, इसलिए खरीदने वाले का पता होगा, लेकिन पाने वाले का नाम गोपनीय रहेगा। अर्थशास्त्रियों ने इसे कालेधन को बढ़ावा देने वाला उपाय बताया था, क्योंकि इस प्रावधान में ऐसा लोच है कि कंपनियां इस बॉन्ड को राजनीतिक दलों को देकर फिर से किसी अन्य रूप में वापस ले सकती हैं। कंपनी या व्यक्ति बॉन्ड खरीदने पर किए गए खर्च को बही खाते में तो दर्ज करेंगी, लेकिन यह बताने को मजबूर नहीं रहेंगी कि उसने ये बॉन्ड किसे दिए हैं। यही नहीं सरकार ने कंपनियों पर चंदा देने की सीमा भी समाप्त कर दी है। बॉन्ड के जरिए 20 हजार रुपए से ज्यादा चंदा देने वाली कंपनी या व्यक्ति का नाम भी बताना जरूरी नहीं है, जबकि इसी सरकार ने कालेधन पर अंकुश लगाने की दृष्टि से राजनीतिक दलों को मिलने वाले नकद चंदे में पारदर्शिता लाने की पहल करते हुए आम बजट में नकद चंदे की सीमा 20,000 रुपए से घटाकर 2,000 रुपए कर दी थी।

केंद्र सरकार ने यह पहल निर्वाचन आयोग की सिफारिश पर की थी। आयोग ने इसके लिए जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 में संशोधन का सुझाव दिया था। फिलहाल दलों को मिलने वाला चंदा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 13 (ए) के अंतर्गत आता है। इसके तहत दलों को 20,000 रुपए से कम के नकद चंदे का स्रोत बताने की जरूरत नहीं है। इसी झोल का लाभ उठाकर दल बड़ी धनराशि को 20,000 रुपए से कम की राशियों में सच्चे-झूठे नामों से बही खातों में दर्ज कर कानून को ठेंगा दिखाते रहे हैं। एक मोटे अनुमान के अनुसार देश के लोकसभा और विधानसभा चुनावों पर 50 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च होते हैं। इस खर्च में बड़ी धनराशि कालाधन और आवारा पूंजी होती है। जो औद्योगिक घरानों और बड़े व्यापारियों से ली जाती है। आर्थिक उदारवाद के बाद यह बीमारी सभी दलों में पनपी है। इस कारण दलों में जनभागीदारी निरंतर घट रही है। मसलन कॉरपोरेट फंडिंग ने ग्रास रूट फंडिंग का काम खत्म कर दिया है। इस वजह से दलों में जहां आंतरिक लोकतंत्र समाप्त हुआ, वहीं आम आदमी से दूरियां भी बढ़ती चली गईं। दल आम कार्यकर्ताओं की बजाय धनबलियों को उम्मीदवार बनाने लग गए हैं। नतीजतन लोकसभा और विधानसभाओं में पूंजीपति जनप्रतिनिधियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। वर्तमान लोकसभा और राज्यसभा के सांसदों की घोषित संपत्ति 10 हजार करोड़ रुपए (एक खरब) से अधिक है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक राइट्स के मुताबिक, साल 2004 से 2015 के बीच हुए विधानसभा चुनावों में विभिन्न राजनीतिक दलों को 2100 करोड़ रुपए का चंदा मिला हैं। इसका 63 प्रतिशत नकदी के रूप में लिया गया। इसके अलावा पिछले 3 लोकसभा चुनावों में भी 44 फीसदी चंदे की धनराशि नकदी के रूप में ली गई। राजनीतिक दल उस 75 फीसदी चंदे का हिसाब देने को तैयार नहीं हैं, जिसे वे अपने खातों में अज्ञात स्रोतों से आया दर्शा रहे हैं। एडीआर की रिपोर्ट के अनुसार 2014-15 में व्यापारिक घरानों के चुनावी न्यासों से दलों को 177.40 करोड़ रुपए चंदे के रूप में मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा चंदा 111.35 करोड़ भाजपा, 31.6 करोड़ कांग्रेस, एनसीपी 5 करोड़ बीजू जनता दल 6.78 करोड़, आम आदमी पार्टी 3 करोड़, आईएनएलडी 5 करोड़ और अन्य दलों को 14.34 करोड़ रुपए मिले हैं। दरअसल राजनीतिक दलों और औद्योगिक घरानों के बीच लेनदेन में पारदर्शिता के नजरिए से 2013 में संप्रग सरकार ने कंपनियों को चुनावी ट्रस्ट बनाने की अनुमति दी थी।

दरअसल इस चंदे के बदले में दल औद्योगिक घरानों के हित साधने का काम करते हैं, यहां तक कि कई नीतियां भी उन्हीं के हितों को साधने के लिए बना दी जाती हैं। दलों को धन की जरूरत चुनाव लड़ने के साथ-साथ संगठन चलाने के लिए भी रहती है। साफ है, इसीलिए चंदे से पारदर्शिता को वित्त विधेयक में दूर रखने के पुख्ता उपाय किए गए हैं।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)

व्यंग्य

घोड़े भी कभी गधे थे...

गोविंद सेन
व्यंग्यकार

यह चमत्कार ही था कि इधर के गधे उधर जाकर घोड़े हो गए थे। उनमें गधत्व की बजाय घोड़त्व आ गया था। इधर सूखी घास भी नसीब नहीं होती थी, उधर गुलाबजामुन खा रहे थे। घोड़े बनकर अब वे गधों (जो उनके भाई ही थे) को मूर्ख साबित करने पर तुल गए थे। वे भूल गए कि कभी वे गधे ही थे। गधे जैसे काम ही करते थे।

जब इधर के गधे उधर घोड़ों की जमात में शामिल हुए थे तो घोड़ों के सरदार अश्वश्री ने हर्ष से हिनहिनाकर उनका स्वागत किया था। कहा था कि घोड़ों की इस जमात में हम आपका स्वागत करते हैं। आपके आने से हमें संख्या-बल मिलेगा। संख्या-बल से ही भुजबल, धनबल आदि सभी प्रकार के बल मिलेंगे।

यदि आप उधर ही रहते तो न घर के रहते न घाट के। बोझा ढोते-ढोते यूँ ही मर जाते। यहाँ आपको पर्याप्त आराम मिलेगा। आपका नाम स्वर्णाक्षरों में लिखने की व्यवस्था की जाएगी। आपको घोड़ों जैसा सम्मान मिलेगा। हमारी जमात में आपको घर भी मिलेगा और घाट भी। केवल चीपों-चीपों छोड़कर हमारे अनुसार हिनहिनाना होगा।

वहां चूहों की तरह डर-डरकर जीते थे। अब हमारी शरण में आकर निर्भय होकर हमारे समर्थन में मजे से बेरोकटोक हिनहिनाओ। शेरों की तरह दहाड़ो। अच्छा हुआ कि तुम इधर आ गए, हालांकि आने में देर कर दी लेकिन सही जगह पर आ गए हो। अब जंगल पर हमारा ही राज रहेगा और अनंत काल तक रहेगा। वहां तुम दिन रात श्रम करते थे फिर भी पिटे जाते थे। न खाने को कुछ मिलता था और न पीने को। देखो खुद को, कितने कृशकाय हो गए हो।

वैसे देखने में उधर जाने पर भी घोड़ों और गधों में कोई खास अंतर मालूम नहीं पड़ता था। दोनों की ही दो आंख, चार पांव और वही एक पूंछ यथावत थी। सींग दोनों के नहीं थे तो नहीं थे। गधों की वाणी में जरूर अंतर आ गया था। यह बदलाव स्पष्ट सुनाई पड़ता था। अब वे रेंकने और चींपो-चींपो की बजाय घोड़ों के सरदार अश्वश्री के पक्ष में हिनहिनाने लगे थे।

हिनहिनाकर वे खुद को घोड़ों के सरदार के सबसे बड़े वफ़ादार सिद्ध करने में लगे हैं। ऐसा करते हुए वे चापलूसी की हद तक चले जा रहे थे। वे बार-बार और बेबात घोड़ों के सरदार अश्वश्री का जयकारा लगाने लगे थे।

'यहां हरी-हरी घास चरने को मिलेगी। घर भी मिलेगा और घाट भी मिलेगा। और तो और पसंदीदा सुंदरियों से आपके विवाह भी धूमधाम से होंगे।' घोड़े बने गधे अश्वश्री के इन वचनों को सुन अत्यंत हर्षित हुए। अब वे अश्वश्री का जयकारा जमकर लगाते हैं। वैसे उन्होंने अश्वश्री का जयकारा लगाने को अपनी आदत ही बना लिया था।

यहां तक कि नींद में भी सरदार का जयकारा लगाते पाए जाते हैं। उनके गुणों का गायन हर पशु-पक्षी के समक्ष करते हैं। सरदार के हित में जो न करना हो वह भी करते हैं। लेकिन उधर के कुछ घोड़े अत्यंत रुष्ट हैं। सरदार अश्वश्री ने बाहर से आने वाले गधों को घोड़ों का दर्जा दे दिया है जबकि असली घोड़े तो हमीं हैं। सरदार हमारे हिस्से की घास, चना-चबेना, गुलाबजामुन इन नकली घोड़ों को दे रहे हैं। यह हमारे साथ बहुत बड़ी बेइंसाफी है। सरासर धोखा है।

घोड़े भुनभुना रहे थे कि हम तो इधर से उधर नहीं गए। हमने पाला नहीं बदला। क्या हमारी वफादारी का यही इनाम है ! हमें बचा-खुचा खाने को दिया जा रहा है। घर का जोगी जोगड़ा आन गांव का सिद्ध। अवसरवादी गधों (जो अब घोड़े थे) को इनाम-इकराम, सम्मान और हमको उपेक्षा-तिरस्कार। हम नहीं सहेंगे यह अपमान। उनके भीतर बगावत खदबदा रही है। उनके भीतर दावानल धधक रहा है। वैसे ये बगावती सरदार घोड़ाश्री के आगे अपनी हिनहिनाहट बुलंद नहीं कर पा रहे हैं, लेकिन देखते हैं कि आगे क्या होता है। हम तो देख ही सकते हैं। हमारी किस्मत में बस देखना ही बदा है।

नॉलेज कॉर्नर: वजन बढ़ाने और कमजोरी दूर करने में सहायक हैं घी-गुड़

स्वस्थ रहने के लिए खाएं घी-गुड़!

अगर आप दुबले-पतले हैं तो आप जरूर जानते होंगे कि वजन बढ़ाना इतना आसान नहीं होता है। अगर आप भी दुबले होने के चलते अपने आप में शर्मसार महसूस करते हैं और आप चाहते हैं कि शरीर पर कुछ मांस चढ़ें और दुबलापन खत्म हो जाए तो आज हम आपको एक ऐसा घरेलू नुस्खा बताने जा रहे हैं जिससे आपको वजन बढ़ाने में काफी मदद कर सकता है। यहां हम बिना किसी प्रकार के प्रॉटीन पाऊडर या मांस गेनर के नेचुरल तरीके से वजन बढ़ाने का आसान तरीका शेयर किया गया है। आपको अपना वजन बढ़ाने के लिए बस घी और गुड़ चाहिए होगा। आज के नॉलेज कॉर्नर में विस्तार से जानते हैं घी-गुड़ के सेवन के बारे में...

घी के फायदे

हम सभी अच्छे से जानते हैं कि घी वजन बढ़ाने में मदद करता है, बशर्ते इसका इस्तेमाल ठीक तरीके से किया जाए। घी एक प्राकृतिक वजन बढ़ाने वाला तरल फूड है। जो मीठा होता है, प्रकृति में ठंडा होता है और वात और पित्त को शांत करता है। यह पाचन में सुधार करता है, आपके टिश्यू को पोषण देता है, मांसपेशियों को मजबूत करता है, याददाश्त, बाल, त्वचा, प्रजनन क्षमता, इम्यूनिटी, बुद्धि और बहुत कुछ में सुधार करता है। घी फैट में घुलनशील विटामिन का एक अच्छा स्रोत है। घी में विटामिन ए, विटामिन डी और विटामिन ई

सहित फैट में घुलनशील विटामिन से भरपूर होता है। ये विटामिन हेल्दी स्किन, आंखों और इम्युन सिस्टम को एक्टिव को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण हैं। इनमें एंटी ऑक्सीडेंट गुण भी होते हैं जो फ्री रेडिकल डैमेज और ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से बचाने में मदद करते हैं। एक रिसर्च के अनुसार, घी में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो गठिया, अस्थमा, आंत रोग जैसी अन्य मेडिकल कंडीशन वाले लोगों के लिए फायदेमंद होते हैं। एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण इन रोगों से ग्रसित लोगों में अन्य जोखिम को काफी हद तक कम करने में भी प्रभावी माना जाता है।

ऐसे करें सेवन

वजन बढ़ाने और कमजोरी दूर करने के लिए गुड़ को बराबर मात्र में घी के साथ लेना चाहिए। इससे आपके शरीर में ताकत और एनर्जी बनी रहेगी। इसका सेवन करने का सबसे अच्छा तरीका है भोजन के बाद एक चम्मच देसी गुड़ के साथ एक चम्मच देसी गाय के घी से शुरुआत करें। जब आपको लगातार सेवन करते हुए 2 हफ्ते हो जाए तो खुराक को दोगुना कर सकते हैं। एक महीने तक इसका सेवन करें। इसके बाद आप भैंस के घी पर स्विच कर सकते हैं, जिन लोगों का मेटाबॉलिज्म अच्छा है और वे लंबे समय से भैंस के घी का सेवन कर रहे हैं, वे भैंस के घी से शुरुआत कर सकते हैं।

व्हाइट शुगर से बेहतर गुड़

गुड़ हेल्दी मिठासों में से एक है जो व्हाइट शुगर से बेहतर है। यह स्वाद में मीठा होता है और वात और पित्त को संतुलित करता है। यह आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बेहतर बनाने में कोशिश करते हैं। यह मीठे खाने की इच्छा को भी पूरा करता है। सर्दी और खांसी होने पर भी गुड़ का इस्तेमाल फायदेमंद है।

कंटेंट: श्रवण भाटी

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री
@narendramodi
भारत की महिलाओं में हर क्षेत्र में लीड करने की स्वाभाविक क्षमता है। आज एक लाख से ज्यादा माताओं और बहनों को जो सीड कैपिटल दी गई है, उससे उनके उद्यम को काफी बढ़ावा मिलेगा।

अशोक गहलोत, मुख्यमंत्री
@ashokgehlot51
करें महंगाई से 'दो-दो हाथ'
चुनें कांग्रेस की गारंटी सात। देश में बढ़ती महंगाई से निजात का रोल मॉडल है-राजस्थान।

मध्य प्रदेश की चुनाव परिक्रमा: कांग्रेस को झटका, पूर्व सांसद गुड्डू ने की पार्टी छोड़ने की घोषणा-आलोट से लड़ेंगे निर्दलीय चुनाव

पीएम आज रतलाम से साधेंगे मालवा अंचल के सियासी समीकरण

एजेंसी | भोपाल

एमपी विधानसभा चुनाव के लिए सत्ता की प्रमुख दावेदार पार्टियों सत्तारूढ़ और कांग्रेस ने चुनाव प्रचार अभियान तेज कर दिया है। पार्टियों के दिग्गज नेता चुनावी दौरे कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चार नवंबर को रतलाम में रैली को संबोधित करेंगे। वहीं, इस दिन गृहमंत्री अमित शाह शिवपुरी आ रहे हैं। इसके बाद पीएम मोदी की 15 नवंबर तक लगातार रैलियां प्रस्तावित है। प्रचार

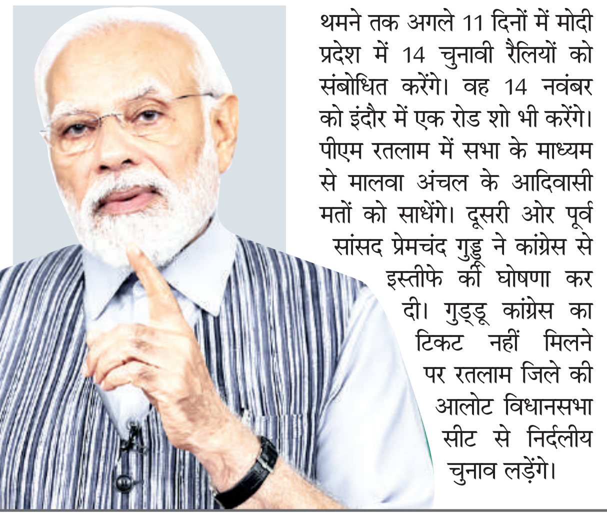

थमने तक अगले 11 दिनों में मोदी प्रदेश में 14 चुनावी रैलियों को संबोधित करेंगे। वह 14 नवंबर को इंदौर में एक रोड शो भी करेंगे। पीएम रतलाम में सभा के माध्यम से मालवा अंचल के आदिवासी मतों को साधेंगे। दूसरी ओर पूर्व सांसद प्रेमचंद गुड्डू ने कांग्रेस से इस्तीफे की घोषणा कर दी। गुड्डू कांग्रेस का टिकट नहीं मिलने पर रतलाम जिले की आलोट विधानसभा सीट से निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे।

कमलनाथ-दिग्विजय पर साधा निशाना कांग्रेस छोड़ने के लिए किया मजबूर

प्रेमचंद गुड्डू (63) ने पीटीआई-भाषा से कहा, मुझे कांग्रेस छोड़ने के लिए मजबूर किया गया। गुड्डू ने उन्हें आलोट से कांग्रेस का टिकट नहीं दिए जाने पर नाराजगी जताई और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह पर सीधा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि दोनों नेताओं का ध्यान केवल अपने बेटों और चाटुकारों को आगे बढ़ाने पर है और उन्होंने इस धुन में टिकटों का आपसी बंटवारा करते हुए सूबे में पार्टी की बलि दे दी है। गुड्डू, आलोट के विधायक और उज्जैन-आलोट लोकसभा क्षेत्र से सांसद भी रह चुके हैं।

सिंधिया की अनुपस्थिति से फर्क नहीं पड़ेगा: दिग्विजय

भोपाल। एमपी पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कहा कि विधानसभा चुनाव में कांग्रेस अच्छा प्रदर्शन करेगी और ज्योतिरादित्य सिंधिया की अनुपस्थिति से पार्टी पर कोई असर नहीं पड़ेगा। सिंह ने कहा कि पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने सिंधिया की बदौलत नहीं बल्कि अपने दम पर बड़ी संख्या में सीटें जीतीं थीं। अगर आप (2020 में) उपचुनावों के नतीजे देखें तो साफ पता चलता है कि पार्टी के पक्ष में उतने खराब परिणाम नहीं आए हैं। ग्वालियर और मुरैना में निकाय चुनाव जीते हैं। इसका पूरा श्रेय सिंधिया को देना ठीक नहीं है। सिंह से पूछा गया था कि सिंधिया की अनुपस्थिति से कांग्रेस पर क्या असर पड़ेगा? उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने 2018 में एक होकर चुनाव लड़ा था और इस बार भी पार्टी एकजुटता से चुनाव लड़ रही है।

मप्र में सत्ता विरोधी लहर: सिंह ने कहा कि मध्य प्रदेश में सत्ता विरोधी लहर है और लोग भाजपा से तंग आ चुके हैं वहीं कांग्रेस ने इस बार काफी तैयारी की है। हमने पार्टी के उम्मीदवारों के खिलाफ विद्रोह को प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया है और अब केवल सात से आठ बागी ही चुनाव लड़ रहे हैं। इसलिए, इस बार हमारी तैयारी और जिस तरह से हमने स्थिति को नियंत्रित किया है, मुझे इस बार अच्छे नतीजे मिलने का भरोसा है।

बाबरी विध्वंस में कांग्रेस की समान भूमिका थी: ओवैसी

हैदराबाद। एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने शुक्रवार को दावा किया कि अयोध्या के राम मंदिर मुद्दे पर कांग्रेस नेता कमलनाथ की कथित टिप्पणियों से यह प्रदर्शित होता है कि बाबरी मस्जिद ध्वस्त करने में भाजपा-आरएसएस के समान उनकी पार्टी (कांग्रेस) की भी भूमिका थी। वह कमलनाथ की इन कथित टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया दे रहे थे, जिनमें उन्होंने कहा था कि भाजपा अयोध्या में राम मंदिर का श्रेय नहीं ले सकती और राजीव गांधी की भूमिका को नहीं भूलना चाहिए।

नौ सीटों पर चुनाव लड़ेगी: ओवैसी ने कहा कि उनकी पार्टी 30 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए नौ निर्वाचन क्षेत्रों में अपने उम्मीदवार उतारेगी।

श्रीकृष्ण की कृपा रही तो लोस चुनाव लड़ूंगी: रानौत

देवभूमि द्वारका। बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत ने शुक्रवार को चुनावी राजनीति में उतरने का संकेत देते हुए कहा कि अगर भगवान कृष्ण की कृपा रही तो वह अगला लोकसभा चुनाव लड़ेंगी। कंगना शुक्रवार सुबह भगवान कृष्ण के प्रसिद्ध द्वारकाधीश मंदिर में पूजा-अर्चना करने के लिए यहां आई थीं।पत्रकारों ने जब उनसे पूछा कि क्या वह अगला लोकसभा चुनाव लड़ेंगी, तब कंगना ने कहा, श्री कृष्ण की कृपा रही तो लड़ेंगे। उन्होंने अयोध्या में भगवान राम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा को संभव बनाने के लिए भाजपा नीत केंद्र सरकार की प्रशंसा की।

छत्तीसगढ़ में चुनाव: भाजपा का घोषणा पत्र 'मोदी की गारंटी' जारी

500 में गैस सिलेंडर, महिलाओं को 1200 रुपए देने का वादा

एजेंसी | रायपुर

छत्तीसगढ़ में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने शुक्रवार को घोषणापत्र जारी किया, जिसमें राज्य के किसानों से 3,100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदने, महिलाओं को प्रति वर्ष 12 हजार रुपए एवं पांच सौ रुपए में रसोई गैस सिलेंडर देने का वादा किया गया है।

अपने घोषणापत्र में भाजपा ने अगले दो वर्ष में एक लाख युवाओं को रोजगार देने तथा राज्य के गरीबों को अयोध्या में रामलला का दर्शन कराने का भी वादा किया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के लिए शुक्रवार को पार्टी का संकल्प पत्र जारी किया। संकल्प पत्र को 'छत्तीसगढ़ के लिए मोदी की गारंटी 2023' नाम दिया गया है। शाह ने कहा, चुनावी घोषणापत्र सिर्फ घोषणापत्र नहीं बल्कि हमारे लिए एक 'संकल्प पत्र' है। अपने संकल्प को पूरा करते हुए हमने (भाजपा के नेतृत्व वाली तत्कालीन केंद्र सरकार ने) छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना की थी।

भाजपा ने ये भी किए वादे

- भूमिहीन खेतिहर मजदूरों को 'दीनदयाल उपाध्याय कृषि मजदूर कल्याण योजना' के तहत 10 हजार रुपए सालाना देंगे
- आयुष्मान भारत योजना' के तहत प्रत्येक परिवार को पांच लाख रुपए के साथ जरूरत पड़ने पर 'मुख्यमंत्री राहत कोष' से अतिरिक्त पांच लाख रुपए प्रदान किए जाएंगे
- पांच सौ नए जन औषधि केंद्र खोले जाएंगे
- 'यूपीएससी' की तर्ज पर छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के तहत परीक्षाएं पारदर्शी तरीके से होंगी।
- कथित 'सीजीपीएससी' घोटाले की जांच की जाएगी।
- 'छत्तीसगढ़ उद्यम क्रांति योजना' शुरू करेंगे। युवाओं को उद्योग के लिए 50 फीसदी सब्सिडी के साथ ब्याज मुक्त ऋण दिया जाएगा।
- 'रानी दुर्गावती योजना' के तहत बीपीएल वर्ग की बालिकाओं के जन्म पर डेढ़ लाख रुपए का आश्वासन प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा। राज्य में सरकार बनने पर गरीब परिवार की महिलाओं को पांच सौ रुपए में रसोई गैस सिलेंडर दिया जाएगा।"
- कॉलेज छात्राओं को मासिक यात्रा भत्ता दिया जाएगा
- हर लोकसभा क्षेत्र में छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी स्थापित किए जाएंगे।

3100 प्रति क्विंटल की दर से होगी धान की खरीद

शाह ने कहा, राज्य में 'कृषक उन्नति योजना' की शुरुआत की जाएगी, जिसके अंतर्गत किसानों से 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान की खरीद की जाएगी। उन्होंने कहा, राज्य में 'महतारी वंदन योजना' के तहत विवाहित महिलाओं को प्रति वर्ष 12 हजार दिए जाएंगे। राज्य में दो वर्ष के भीतर एक लाख खाली पदों पर भर्ती की जाएगी और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लंबित 18 लाख घरों का निर्माण पूरा करने के लिए धन राशि का आवंटन किया जाएगा।

भ्रष्टाचार से निपटने के लिए आयोग का गठन

शाह ने कहा, भ्रष्टाचार के खिलाफ हमारी 'जीरो टॉलरेंस' (कतई बर्दाश्त नहीं करने) की नीति रहेगी। राज्य में भ्रष्टाचार से निपटने के लिए एक आयोग का गठन किया जाएगा और भ्रष्टाचार से संबंधित शिकायतों की निगरानी और निवारण के लिए एक वेब पोर्टल लॉन्च किया जाएगा। भ्रष्टाचार की शिकायतों पर सीधी कार्रवाई के लिए मुख्यमंत्री कार्यालय में विशेष सेल स्थापित किया जाएगा।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे का सियासी प्रहार

मोदी ने खोल लिया 'गाली देने' और 'झूठ बोलने' का कारखाना

एजेंसी | रायपुर

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गांधी-नेहरू परिवार को निशाना बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की शुक्रवार को आलोचना की और कहा कि उन्होंने 'गाली देने और झूठ बोलने' का कारखाना खोल लिया है।

छत्तीसगढ़ के अभनपुर निर्वाचन क्षेत्र में एक रैली को संबोधित करते हुए खरगे ने कहा कि पीएम मोदी संसद में कुछ नहीं बोलते हैं, वह केवल वोटों के लिए सार्वजनिक सभाओं में बोलते हैं। लगातार यह सवाल करने के लिए कि कांग्रेस ने 70 साल में क्या किया, उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि यदि कांग्रेस ने 70 साल में कुछ नहीं किया होता तो मोदी जी प्रधानमंत्री नहीं बनते और शाह साहब गृह मंत्री नहीं बनते। खरगे ने कहा, हमने लोकतंत्र और संविधान को बचाया, इसलिए आप वहां बैठे हैं।

जवाहर लाल नेहरू जैसे व्यक्ति ने संविधान और लोकतंत्र का अनुपालन करते हुए सब कुछ किया है। उन्होंने एक भी व्यक्ति को परेशान नहीं किया। भाजपा के लोग उनकी और इंदिरा गांधी की तारीफ करते थे। उन्होंने कहा,कांग्रेस ने बड़े-बड़े कारखाने और उद्योग खोले। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने कहा, '2014 में उन्होंने (पीएम मोदी) प्रत्येक नागरिक के बैंक खाते में 15 लाख रुपए जमा करने, हर साल दो करोड़ रोजगार सृजित करने और किसानों की आय दोगुनी करने का आश्वासन दिया था।

क्या उन्होंने यह सब किया? तो फिर झूठ कौन बोल रहा है? अगर हम कहते हैं कि वह झूठ बोलते हैं और वह झूठ के 'सरदार' हैं, तो वह हम पर टिप्पणी करते हैं। उन्होंने कहा, जब मणिपुर में झड़पें हो रही थीं, वह इधर-उधर घूम रहे थे। वह वोट के लिए बोल सकते हैं लेकिन किसी मुद्दे के समाधान के लिए नहीं।

मिजोरम: जेडपीएम नेता लालदुहोमा का दावा...

राजग या 'इंडिया' में नहीं जाएंगे

एजेंसी | आइजोल

जोरम पीपल्स मूवमेंट (जेडपीएम) के नेता एवं पार्टी की ओर से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार लालदुहोमा ने कहा है कि यदि उनकी पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव के बाद सत्ता में आती है, तो वह भाजपा नीत राजग या 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूजिव अलायंस' (इंडिया) में शामिल नहीं होगी।

लालदुहोमा ने कहा कि उनकी पार्टी केंद्र के नियंत्रण से मुक्त एक स्वतंत्र क्षेत्रीय दल के तौर पर अपनी पहचान बरकरार रखेगी। जेडपीएम नेता ने 'पीटीआई-भाषा'

से कहा, हम सत्ता में आने पर भी राष्ट्रीय स्तर पर किसी समूह में शामिल नहीं होंगे।

हम अपनी प्रतिष्ठा बनाए रखना चाहते हैं और एक स्वतंत्र क्षेत्रीय दल बने रहना चाहते हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जेडपीएम केंद्र के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध बना कर रखेगी।

जीत के प्रति आश्वस्त है पार्टी

लालदुहोमा ने दावा किया कि महज पांच साल पुरानी अपेक्षाकृत युवा पार्टी जेडपीएम अपनी नई शासन प्रणाली नीति के साथ विधानसभा चुनावों में जीत हासिल करने को लेकर आश्वस्त है और राज्य में दशकों पुरानी द्विध्रुवीय राजनीति को खत्म करने की उम्मीद कर रही है। लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि पार्टी को कितनी सीट पर जीत की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि लोगों का एमएनएफ और कांग्रेस पर से भरोसा उठ गया है और वे बदलाव चाहते हैं।

मिजोरम: कांग्रेस नेता का वादा

यदि पार्टी सत्ता में आई तो देगी एक लाख नौकरियां

एजेंसी | आइजोल

कांग्रेस मिजोरम में सात नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के बाद राज्य की सत्ता में आने पर एक लाख नौकरियां सृजित करेगी। कांग्रेस मीडिया प्रकोष्ठ के अध्यक्ष लालरेमरूआता रेंथलेई ने कहा कि पार्टी युवाओं को 'स्टार्टअप' कोष और नौकरियां प्रदान करने के लिए 'यंग मिजो एंटरप्रेन्योर प्रोग्राम' (वाईएमइलेवेट) शुरू करेगी। रेंथलेई ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पार्टी किसानों और उद्यमियों के लिए स्थायी आर्थिक एवं आजीविका गतिविधियां विकसित करने की खातिर मौद्रिक सहायता योजना 'तांग पुइह्ना' भी शुरू करेगी। राज्य में सत्तारूढ़ मिजो नेशनल फ्रंट पर निशाना साधते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि वह नौकरियां सृजित करने और युवाओं को रोजगार मुहैया कराने में विफल रही है। एमएनएफ ने पिछले पांच वर्षों के दौरान 7,983 नौकरियां सृजित करने का दावा किया है, लेकिन सीधी भर्ती के माध्यम से केवल 2,218 युवाओं को ही नौकरियां मिलीं।

चुनाव प्रचार...

रीवा। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा शुक्रवार को मध्य प्रदेश के रीवा जिले के तेवंधर में चुनाव प्रचार किया।

तेलंगाना की चुनावी डायरी

विधानसभा चुनाव में भाजपा को सबक सिखाया जाना चाहिए: केसीआर

एजेंसी | भैंसा (तेलंगाना)

भारत राष्ट्र समिति के प्रमुख और तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने शुक्रवार को कहा कि भाजपा ने राज्य में एक भी मेडिकल कॉलेज या नवोदय विद्यालय की मंजूरी नहीं दी जिसके कारण उसे 30 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनावों में सबक सिखाया जाना चाहिए।

केसीआर के नाम से मशहूर राव ने यहां एक चुनावी रैली में कांग्रेस पार्टी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि राहुल गांधी समेत उसके नेता कहते हैं कि अगर वे सत्ता में आए तो वे एकीकृत भूमि प्रबंधन पोर्टल 'धरणी' हटा देंगे जिससे फिर से बिचौलिया राज का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। उन्होंने कहा कि बीआरएस सरकार ने 10 वर्ष में अल्पसंख्यक कल्याण कार्यों पर 12,000 करोड़ रुपए खर्च किए हैं जबकि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने 900 करोड़ रुपए खर्च किए थे। उन्होंने लोगों से यह आकलन करने के लिए कहा कि किस पार्टी ने उन्हें फायदा पहुंचाया और चुनाव में वोट डालने से पहले इस बारे में सोचने को कहा। राव ने अपील की, कांग्रेस ने 50 साल तक इस देश और राज्य पर राज किया। इस बीच, कुछ समय के लिए तेलुगु देशम पार्टी आई। बीआरएस पिछले 10 साल से शासन कर रही है। विकास का इतिहास आपके सामने है। मैं चाहता हूं कि आप तथ्यों के आधार पर फैसला करें। उन्होंने कहा कि जब राज्य का गठन हुआ था तो पर्याप्त बिजली और पेयजल सुविधाओं के बिना यह पूरी तरह अस्त-व्यस्त था। अब तेलंगाना देश का इकलौता राज्य है जो किसानों को 24 घंटे निशुल्क बिजली उपलब्ध कराता है।

केसीआर ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार के दौरान उर्वरकों की कमी रहती थी लेकिन आज मिलावट रहित बीजों के अलावा वे प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हैं जिससे राज्य के कृषि क्षेत्र में प्रगति हुई है।

चुनाव के लिए अधिसूचना जारी

भारत निर्वाचन आयोग ने 30 नवंबर को होने वाले तेलंगाना विधानसभा चुनाव के लिए शुक्रवार को अधिसूचना जारी कर दी नामांकन की प्रक्रिया शुक्रवार से शुरू हो गई। नामांकन पत्र 10 नवंबर तक दाखिल किए जा सकेंगे। नामांकन पत्रों की जांच 13 नवंबर को की जाएगी और नाम वापस लेने की आखिरी तारीख 15 नवंबर है।

वाम दलों के साथ सीटों के बंटवारे पर बातचीत: रेड्डी

तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस समिति के अध्यक्ष ए. रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को कहा कि राज्य विधानसभा चुनावों के लिए भाकपा और माकपा के बीच सीटों के बंटवारे पर बातचीत अभी चल रही है। वामपंथी दल, कांग्रेस के मित्र हैं और राष्ट्रीय नेतृत्व और पीसीसी की एक समिति अब भी उनके साथ संपर्क में है। रेड्डी की टिप्पणियां तब आई हैं, जब एक दिन पहले माकपा ने कांग्रेस के साथ बातचीत बेनतीजा रहने के बाद 17 निर्वाचन क्षेत्रों के लिए उम्मीदवारों की पहली सूची की घोषणा कर दी थी। रेड्डी ने कहा, एक-दूसरे को समझने में थोड़ी देरी हुई। मुझे नहीं लगता कि वार्ता खत्म हो गई है। पार्टी आलाकमान और पीसीसी कमेटी वार्ता जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि मुनुगोडे उपचुनाव में वामपंथी दलों ने भारत राष्ट्र समिति के साथ गठबंधन किया था जिससे कांग्रेस को अपने स्थानीय नेतृत्व को अपने दम पर चुनाव लड़ने के लिए तैयार रहने को कहना पड़ा था।

VSR तेलंगाना पार्टी करेगी कांग्रेस का समर्थन

वाईएसआर तेलंगाना पार्टी राज्य में 30 नवंबर को होने वाले विधानसभा का चुनाव नहीं लड़ेगी और वह विपक्षी दल कांग्रेस का समर्थन करेगी। वाईएसआरटीपी की अध्यक्ष वाई. एस. शर्मिला ने शुक्रवार को कहा कि जब राज्य में सत्ता परिवर्तन की संभावना है, तो वह सरकार विरोधी वोट को बांटकर बाधा नहीं बनना चाहती हैं। शर्मिला ने कहा कि कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं के लिए उनके मन में बहुत सम्मान है और इसलिए वह कांग्रेस के वोट को बांटना नहीं चाहती हैं जिससे सत्तारूढ़ बीआरएस को फायदा पहुंच सकता है।

जरूरी खबर

चड्ढा सभापति से बिना शर्त माफी मांगे: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने आम आदमी पार्टी के नेता एवं निलंबित सांसद राघव चड्ढा से प्रवर समिति विवाद पर राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ से बिना शर्त माफी मांगने को कहा और उम्मीद जताई कि सभापति इस मामले में सहानुभूतिपूर्ण रुख अपनाएंगे। चड्ढा ने राज्यसभा से अपने अनिश्चितकालीन निलंबन को चुनौती दी है। प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़, न्यायाधीश जे. बी. पारदीवाला और न्यायाधीश मनोज मिश्रा की पीठ ने पंजाब से राज्यसभा सदस्य चड्ढा के वकील शादान फरासत की इन दलीलों का संज्ञान लिया कि पहली बार संसद पहुंचे और उच्च सदन के सबसे कम उम्र के सदस्य, सभापति से माफी मांगने को तैयार हैं।

महिला अफसरों के मामले में सेना का रुख मनमाना

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि महिला अधिकारियों को कर्नल पद पर प्रोन्नति के लिए सूचीबद्ध करने से इनकार करने का सेना का रवैया 'मनमाना' है। इसके साथ ही न्यायालय ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे महिला अधिकारियों की पदोन्नति के लिए विशेष चयन बोर्ड की बैठक एक पखवाड़े के भीतर फिर से आयोजित करे। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने महिला अधिकारियों के उचित अधिकारों को समाप्त करने का रास्ता ढूंढने के रवैये की निंदा की। पीठ में न्यायाधीश जे. बी. पारदीवाला और न्यायाधीश मनोज मिश्रा शामिल थे। पीठ ने कहा, इस तरह का दृष्टिकोण उन महिला अधिकारियों को न्याय प्रदान करने की आवश्यकता पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है।

चुनाव लड़ने से रोकने के मामले में मांगा जवाब

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने गंभीर अपराधों में आरोप तय किए गए लोगों को चुनाव लड़ने से रोकने संबंधी याचिका पर जवाब के लिए शुक्रवार को केंद्र को दो सप्ताह का समय दिया। न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायाधीश दीपांकर दत्ता की पीठ को वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने अवगत कराया कि केंद्र सरकार ने इस मामले में कोई जवाब दाखिल नहीं किया है। पीठ ने कहा, केंद्र सरकार के वकील ने जवाबी हलफनामा दाखिल करने के लिए और समय मांगा है। इसे दो सप्ताह के भीतर दाखिल किया जाए।

फूड इंडिया की बैठक

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी के भारत मंडपम में 'वर्ल्ड फूड इंडिया' के दूसरे संस्करण का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि भारत का खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र एक उभरते हुए उद्योग के रूप में सामने आया है और पिछले नौ वर्षों में इसने 50,000 करोड़ रुपए का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आकर्षित किया है। प्रधानमंत्री ने एक लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों को प्रारंभिक पूंजी सहायता वितरित की और 'वर्ल्ड फूड इंडिया 2023' के तहत एक 'फूड स्ट्रीट' का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में प्रमुख खाद्य प्रसंस्करण कंपनियों के सीईओ सहित 80 से अधिक देशों के प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। फोटो में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी व प्रतिभागी।

पीएम मोदी ने की यूएई के राष्ट्रपति से फोन पर बात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से टेलीफोन पर बात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया की स्थिति पर विचारों का आदान-प्रदान किया और आतंकवाद, हिंसा व जनहानि के बारे में चिंताएं साझा की। प्रधानमंत्री कार्यालय के मुताबिक दोनों नेताओं ने इजराइल और फिलिस्तीन के बीच जारी जंग के मद्देनजर सुरक्षा और मानवीय स्थिति के शीघ्र समाधान का आह्वान किया। दोनों नेताओं ने आतंकवाद, बिगड़ती सुरक्षा स्थिति और नागरिकों की जान जाने पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने स्थायी शांति, सुरक्षा और स्थिरता के महत्व पर जोर दिया।

प्रवर्तन निदेशालय का एक व्यक्ति के आरोपों के हवाले से दावा...

महादेव एप के प्रवर्तकों ने बघेल को दिए 508 करोड़ रुपए

एजेंसी | नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को दावा किया कि फॉरेंसिक विश्लेषण और पैसे का लेन-देन करने वाले एक व्यक्ति के बयान में चौंकाने वाले आरोप सामने आए हैं कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को महादेव सट्टेबाजी ऐप के प्रवर्तक अब तक 508 करोड़ रुपए का भुगतान कर चुके हैं।

ईडी ने कहा कि यह जांच का विषय है। ईडी छत्तीसगढ़ में पैसे का लेन-देन करने वाले असीम दास के पास से 5.39 करोड़ रुपए बरामद करने के बाद उसे रायपुर से गिरफ्तार कर चुकी है।

ज्ञात हो कि छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव के लिए 7 नवंबर व 17 नवंबर को दो चरणों में मतदान होना है। ईडी ने कहा कि ऐप के प्रवर्तकों ने विशेष रूप से, सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी के लिए चुनावी खर्चों के लिए बड़ी मात्रा में नकदी पहुंचाने को लेकर दास को कथित तौर पर यूएई से भेजा था। एजेंसी ने एक बयान में आरोप लगाया,असीम दास ने स्वीकार किया है कि महादेव ऐप के प्रवर्तकों ने जब्त की गई धनराशि छत्तीसगढ़ में आगामी चुनाव में होने वाले खर्चों के लिए एक नेता 'बघेल' तक पहुंचाने की व्यवस्था की थी।

फोरेंसिक जांच और ई मेल की पड़ताल के बाद सामने आए चौंकाने वाले आरोप

एजेंसी ने कहा, असीम दास से पूछताछ, उसके पास से बरामद फोन की फोरेंसिक जांच और शुभम सोनी (महादेव नेटवर्क के उच्च पदस्थ आरोपियों में से एक) द्वारा भेजे गए ईमेल की पड़ताल से कई चौंकाने वाले आरोप सामने आए हैं। पता चला है कि महादेव ऐप के प्रमोटर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को अतीत में नियमित तौर पर भुगतान करते रहे हैं । ईडी ने कहा कि यह जांच का विषय है। ईडी ने कहा कि उसे खुफिया जानकारी मिली थी कि छत्तीसगढ़ में सात और 17 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए महादेव ऐप के प्रवर्तकों की तरफ से बड़ी मात्रा में धन ले जाया जा रहा है। इसके बाद उसने गुरुवार को दास को पकड़ा था। यह धन राज्य के दुर्ग जिले के भिलाई स्थित होटल 'ट्राइटन' में खड़े एक वाहन से जब्त किया गया था।

बॉलीवुड में कर चुकी है पूछताछ

एजेंसी ने पहले कहा था कि ऐप से अर्जित कथित अवैध धन राज्य में नेताओं और नौकरशाहों को रिश्वत के रूप में दिया गया था। ईडी ने कई मशहूर हस्तियों और बॉलीवुड कलाकारों को बुलाकर ऑनलाइन सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म से उनके संबंधों और इसके भुगतान के तरीके के बारे में पूछा था।

दिल्ली के मंत्री आनंद ने हवाला के जरिए चीन भेजा था धन

एजेंसी | नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय ने शुक्रवार को कहा कि राजस्व खुफिया निदेशालय ने दिल्ली के मंत्री राजकुमार आनंद पर चीन को हवाला के जरिए पैसा भेजने और विभिन्न सामानों के आयात पर सात करोड़ रुपए के सीमाशुल्क की चोरी का आरोप लगाया है। संघीय जांच एजेंसी ने धनशोधन मामले की जांच के सिलसिले में 57 वर्षीय आनंद के परिसरों पर छापेमारी की है। गुरुवार सुबह करीब साढ़े सात बजे शुरू हुई छापेमारी शुक्रवार सुबह लगभग पांच बजे खत्म हुई। एजेंसी ने कहा कि राजस्व खुफिया निदेशालय द्वारा दायर अभियोजन शिकायत के आधार पर आनंद और उनसे जुड़े व्यक्तियों व संस्थाओं के खिलाफ जांच शुरू की गई।

छापे राजनीतिक साजिश: आनंद

इस बीच ,दिल्ली की मंत्री आतिशी ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों ने छापे के दौरान आनंद के आवास पर तोड़फोड़ की और उनके परिवार के सदस्यों को परेशान किया, लेकिन उनके खिलाफ कुछ नहीं मिला। संवाददाता सम्मेलन में आनंद ने कहा कि छापेमारी एक राजनीतिक साजिश है और हमें सच्चाई और काम की राजनीति करने की वजह से परेशान किया जा रहा है। हम ईडी या सीबीआई से नहीं डरते और अपने नेता सीएम अरविंद केजरीवाल का अनुसरण करते रहेंगे।

भाजपा की हार के डर से PM ने चलाया 'मोदी अस्त्र' ईडी: कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि आगामी विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की हार सुनिश्चित देख प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपना आखिरी 'मोदी अस्त्र' ईडी का इस्तेमाल कर दिया है।पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि ईडी की कार्रवाई कांग्रेस नेताओं की प्रतिष्ठा को धूमिल करने के लिए की जा रही है। रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट में यह आरोप लगाए और कहा कि छत्तीसगढ़ और राजस्थान की जनता कांग्रेस पार्टी का कवच है। उन्होंने दावा किया कि पीएम मोदी की धमकियां उन मतदाताओं के संकल्प को मजबूत करेंगी जो जानते हैं कि यह सिर्फ चुनावी नाटक है जो भाजपा की हताशा को दर्शाता है।

नए मामलों में स्थगन का अनुरोध नहीं करें

हम नहीं चाहते कि SC 'तारीख-पे-तारीख' अदालत बने: CJI

एजेंसी | नई दिल्ली

मुख्य न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ ने शुक्रवार को वकीलों से नए मामलों में स्थगन का अनुरोध नहीं करने की अपील करते हुए कहा कि वह नहीं चाहते कि सुप्रीम कोर्ट 'तारीख-पे-तारीख' अदालत बन जाए। प्रधान न्यायाधीश ने नए मामलों में वकीलों द्वारा स्थगन के अनुरोध का मुद्दा उठाते हुए कहा कि पिछले दो महीने में वकीलों ने 3,688 मामलों में स्थगन का अनुरोध किया। सीजेआई की अध्यक्षता वाली पीठ में न्यायाधीश जे. बी. पारदीवाला और न्यायाधीश मनोज मिश्रा भी हैं। उन्होंने कहा, 'जब तक अत्यंत जरूरी नहीं हो, तब तक कृपया स्थगन का अनुरोध नहीं करें।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि अब वकीलों की संस्थाओं की मदद से शीर्ष अदालत में मामला दायर होने के बाद नए मामलों को सूचीबद्ध करने में समय का अंतर काफी कम हो गया है। उन्होंने इस तथ्य पर अफसोस जताया कि पीठ के समक्ष मामले सूचीबद्ध होने के बाद वकील स्थगन का अनुरोध करते हैं और यह बाहरी दुनिया के लिए बहुत खराब संकेत देता है।

उल्लेखनीय है कि 'तारीख-पे-तारीख' हिंदी फिल्म 'दामिनी' में सनी देओल का लोकप्रिय संवाद था जिसमें अभिनेता ने फिल्म के एक दृश्य में अदालतों में स्थगन की संस्कृति पर रोष प्रकट किया था।

भूटान नरेश असम में

गुवाहाटी। भूटान के नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक शुक्रवार को असम के गुवाहाटी में असम एडमिनिस्ट्रेटिव कॉलेज में एक कार्यक्रम के दौरान राज्य के सीएम हिमंत बिस्व सरमा के साथ।

वायु प्रदूषण पर रहेगी निगरानी

दिल्ली की वायु गुणवत्ता 'अति गंभीर' श्रेणी में पहुंची

एजेंसी | नई दिल्ली

दिल्ली की वायु गुणवत्ता शुक्रवार को अति गंभीर श्रेणी में पहुंच गई, लेकिन केंद्र सरकार ने वायु प्रदूषण नियंत्रण योजना के तहत सख्त उपायों के कार्यान्वयन को यह कहते हुए टाल दिया कि क्षेत्र में वायु गुणवत्ता सूचकांक पहले से सुधार के रुझान दिखा रहा है।

दिल्ली का 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक शुक्रवार को 468 था जो अति गंभीर श्रेणी में आता है। इस चरण में प्रदूषण फैलाने वाले ट्रकों, वाणिज्यिक चार पहिया वाहनों और सभी प्रकार के निर्माण पर प्रतिबंध सहित सभी आपातकालीन उपायों को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में शुरू और लागू किया जाना अनिवार्य है। शुक्रवार को शहर का एक्यूआई 12 नवंबर, 2021 को दर्ज किए गए पिछले उच्चतम स्तर के बाद से सबसे खराब था।

निर्माण गतिविधियों पर रोक

दिल्ली सरकार के एक अधिकारी के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में निर्माण या तोड़फोड़ गतिविधियों पर पूर्ण प्रतिबंध के साथ 'क्रमिक प्रतिक्रिया कार्य योजना' के तीसरे चरण को लागू किया गया है। जिसके तहत दिल्ली-एनसीआर में गैर-जरूरी निर्माण कार्य, पत्थर तोड़ने और खनन पर रोक है। इस चरण के तहत, दिल्ली, गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद और गौतम बुद्ध नगर में बीएस तीन पेट्रोल और बीएस चार डीजल गाड़ियों पर भी रोक लगाई गई है।

पराली जलाने की घटनाएं दर्ज

दिल्ली स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान ने कहा कि पंजाब और हरियाणा में शुक्रवार को पराली जलाने की क्रमश: 1,551 और 28 घटनाएं दर्ज की गईं। संस्थान के एक वैज्ञानिक ने कहा कि पंजाब और हरियाणा में इस साल बारिश की कमी के कारण धान के उत्पादन में वृद्धि हुई है, जिसके परिणामस्वरूप धान का भूसा प्रचुर मात्रा में है।

प्राथमिक स्कूलें दो दिनों तक बंद

दिल्ली सरकार ने स्वास्थ्य के लिए खतरनाक प्रदूषण से बच्चों की सुरक्षा करने की कवायद के तहत सभी प्राइमरी स्कूलों को दो दिन के लिए बंद करने की भी घोषणा की है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने स्थिति की समीक्षा करने के लिए शुक्रवार को एक आपात बैठक बुलाई। इस बीच, भारत मौसम विज्ञान विभाग के एक वैज्ञानिक ने कहा, हमें प्रतिकूल मौसम परिस्थितियों - हवा की धीमी गति, हवा चलने की गैर-अनुकूल दिशा और बारिश की कमी- दो से तीन दिन और रहने की आशंका है जिससे प्रदूषक कणों को और एकत्रित होने का मौका मिलेगा।है।

दुनिया भर में सैन्य शाखाओं की स्थापना के प्रयास: पांडे

एजेंसी | नई दिल्ली

सेना प्रमुख जनरल मनोज पाण्डे ने पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ सीमा विवाद की पृष्ठभूमि में शुक्रवार को कहा कि भारत का दृष्टिकोण सभी देशों की संप्रभुत्ता और क्षेत्रीय अखंडता के सम्मान के साथ, विवादों के शांतिपूर्ण हल और अंतरराष्ट्रीय नियमों के पालन पर जोर देता है। चाणक्य रक्षा संवाद में जनरल पाण्डे ने अपने संबोधन में यह भी कहा कि भारत दुनियाभर में नए स्थानों पर रक्षा शाखाएं स्थापित कर रहा है और सेना मित्र विदेशी साझेदार देशों के साथ संयुक्त प्रशिक्षण और अभ्यासों का दायरा व पैमाना बढ़ाना चाहती है। मौजूदा भू-राजनीतिक उथल-पुथल के संदर्भ में उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मामलों में राष्ट्रीय सुरक्षा की बढ़ती महत्ता और आर्थिक व सामरिक शक्ति पर ध्यान देने की आवश्यकता पर जोर दिया। सेना प्रमुख ने निराशा और भू-राजनीतिक उतार-चढ़ाव के बीच भारत की स्थिति को उज्ज्वल बताया। जनरल पाण्डे ने कहा, सैन्य क्षेत्र में हम उभरती बहुपक्षीय संरचना में अपनी भूमिका को समझते हैं। हमारे सामने आने वाली चुनौतियां महत्वपूर्ण है लेकिन अवसर और सामूहिक चेतना तथा ताकत भी महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा, 'कट्टरपंथ, आतंकवाद, समुद्री डकैती, अवैध प्रवासन, शरणार्थी और जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दे वैश्विक चिंताओं को बढ़ाते हैं।

फोटो शूट सीरीज: मॉडल्स ने जयपुर में बिखेरे फेस्टिवल के रंग

'नायाब' उत्सवी कलेक्शन शोकेस

बेधड़क.जयपुर। चमकते दमकते चेहरे, आकर्षक नैन नक्श, खूबसूरती से भरपूर मॉडल्स की बला और अदाएं दिवाली की खुशियां भी बांटी रही थीं और रोमांचित भी कर रही थीं। मॉडल्स ने जब अपने लुक्स को ट्रेडिशनल परिधानों से पेश किया तो परियों का निखार दिखाई दिया। नजारा था निर्माण नगर स्थित काजल मेकअप आर्टिस्ट्री एकेडमी में केपी प्रोडक्शंस की ओर से व एलिगेंट आई म्यूजिक और वी रनर्स के सहयोग से आयोजित किए जा रहे फेस्टिव सीजन थीम पर बेस्ड कंसेप्चुअल फोटो शूट सीरीज की पहली एक्टिविटी 'नायाब' का। इस दौरान 8 प्रोफेशनल मॉडल्स ने फेस्टिवल सीजन का लेटेस्ट डिजाइनर ब्राइडल व फेस्टिव कलेक्शन शोकेस किया। आयोजक कपिल राज और क्रिएटिव हैड सुमित कुमावत ने बताया कि कॉन्सेप्ट बेस्ड फोटो शूट सीरीज है, जिसकी शुरुआत फेस्टिवल सीजन थीम बेस्ड शूट 'नायाब' से हुई है। इन शूट्स से फेस्टिवल से जुड़ी संस्कृति, सभ्यता, इतिहास को हाईलाइट किया गया। फैशन डिजाइनर माधुरी चेतवानी ने खूबसूरत लिबासों से मॉडल्स की स्टाइलिंग व ड्रेस डिजाइनिंग की। जूलरी डिजाइनर आदित्य नाटानी की जूलरी ने मॉडल्स की चमक बढ़ाकर लुक्स को कंप्लीट किया। फॉरएवर स्टार इंडिया की ओर से मॉडल्स को गिफ्ट देकर मोटिवेट किया गया। एक्टिविटी में जुंजाराम थोरी, अजय जैन, संगीता जैन, राजेश अग्रवाल, राव संदीप यादव, मनोज कुमावत उपस्थित रहे।

फोटो: राजेश कुमावत

इन मॉडल्स ने बिखेरी खूबसूरती

जाहन्वी, मुस्कान कामदार, प्रियांशी जैन, आकांक्षा मीना, अंबिका माथुर, नीरजा रावल, अर्पिता, ऐश्वर्या चंदानी और अनन्या ने फैशन को रिप्रेजेंट किया।

शिव मिस्टर और कोमल मिस फ्रेशर्स बनकर हुए रोमांचित

बेधड़क. जयपुर। महात्मा ज्योति राव फुले शिक्षण संस्थान लाइव स्टॉक असिस्टेंट ट्रेनिंग सोडाला की ओर से फ्रेशर्स और फेयरवेल प्रोग्राम में स्टूडेंट्स ने आकर्षक प्रस्तुतियों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ फ्रेशर्स का स्वागत किया और अंतिम वर्ष के स्टूडेंट्स को विदाई दीं। चेयरपर्सन निर्मल पंवार ने बताया कि कार्यक्रम में शिव नारायण शर्मा मिस्टर और कोमल बुनकर को मिस फ्रेशर्स चुना गया। वहीं, अभिषेक शर्मा मिस्टर और कोमल बैरवा मिस फेयरवेल बनीं। फेयरवेल में जूनियर्स ने सीनियर्स को विभिन्न रंगारंग कार्यक्रमों के साथ विदाई दीं। प्रारंभ में स्टूडेंट्स का तिलक-रोली-मोली लगाकर स्वागत किया गया। चेयपर्सन ने स्मृति चिह्न और सर्टिफिकेट देकर विशेज दीं। दूसरी ओर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर नृत्य प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। वहीं गीत, गजल और मनमोहक नृत्यों से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

भ्रष्टाचार रोकने की दी जानकारी

बेधड़क. जयपुर। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान त्रैमासिक जागरूकता सतर्कता अभियान में जागरूकता सतर्कता सप्ताह मनाया गया। एनआईए के विद्यार्थियों, अध्यापकों, चिकित्सकों, अधिकारियों व कर्मचारियों को भ्रष्टाचार रोकने की जानकारी दी गई और इसे रोकने में हर व्यक्ति को भागीदारी निभाने की शपथ दिलाई गई। सप्ताह में निबंध प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता व अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। संस्थान कुलपति प्रोफेसर संजीव शर्मा ने कहा कि यदि हमें सशक्त व विकसित राष्ट्र का निर्माण करना है तो भ्रष्टाचार को जड़ों से खत्म करना होगा। देश के प्रत्येक आमजन को भ्रष्टाचार का विरोध करना होगा और भ्रष्टाचार को रोकने की मुहिम का हिस्सा बनना होगा तभी हम देश को भ्रष्टाचार मुक्त कर पाएंगे।

नैनो टैक्नोलॉजी पर चर्चा

बेधड़क. जयपुर। राजस्थान यूनिवर्सिटी के प्राणीशास्त्र विज्ञान विभाग की ओर से दो दिवसीय सेमिनार की शुरुआत हुई। इसमें एप्लीकेशंस ऑफ नैनो टेक्नोलोजी इन ट्रांसफोरमेशन ऑफ एनवायरमेंट, एग्रीकल्चर एंड हेल्थ केयर विषय पर एक्सपर्ट ने राय रखी। आयोजन में देश-विदेश के विद्वान भाग ले रहे हैं। साथ ही ऑनलाइन सेशन भी आयोजित किया गया, जिसमें यूएसए, नाईजीरिया, टर्की, फिनलेंड, केमरून, चाइना, मस्कट और लंदन के विद्वान जुड़े।

City इवेंट्स

फ्री कॉक्लियर इंप्लांट से बहरेपन का इलाज

बेधड़क. जयपुर। चिकित्सा के क्षेत्र में बदल रही तकनीक से अब इलेक्ट्रॉनिक्स फ्री कॉक्लियर इंप्लांट से बहरेपन का इलाज होना संभव हो गया है। यह तकनीक पहले से अधिक प्रभावी और आसान है। यह जानकारी न्यूरो ओटोलॉजिकल एंड इक्विलिब्रियोमेट्रिक सोसायटी ऑफ इंडिया की तीन दिवसीय नेशनल कॉन्फ्रेंस नेस्कॉन-2023 में चिकित्सकों की चर्चा में सामने आई। नेस्कॉन-2023 के ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी सवाई मान सिंह चिकित्सालय के कान नाक गला विभाग के वरिष्ठ आचार्य डा. पवन सिंघल ने बताया, कि एसएमएस हॉस्पिटल में 15 लाइव सर्जरी की गई। ऑर्गेनाइजिंग चेयरपर्सन डॉ. सुनील समदानी और डॉ. रेखा हर्षवर्धन ने कहा कि कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन सत्र शनिवार को होगा।

राजस्थान ने रोल बॉल में जीता गोल्ड

बेधड़क. जयपुर। भारतीय ओलम्पिक संघ व युवा कार्यक्रम और खेल मामलात मंत्रालय भारत सरकार के तत्वावधान में गोवा ओलम्पिक संघ व गोवा सरकार की ओर से मनोहर पर्रिकर स्टेडियम नवेलिम (गोवा) में 37वें नेशनल गेम्स आयोजित हुए। इस दौरान पहली बार शामिल रोल बॉल में राजस्थान की पुरुष वर्ग की टीम ने गोल्ड व महिला वर्ग टीम ने सिल्वर मेडल जीता। राजस्थान रोल बॉल संघ कार्यकारी महासचिव महेन्द्र सिंह पंवार ने बताया कि राजस्थान ने महाराष्ट्र को 7-5 से शिकस्त दी। सेमिफाइनल में राजस्थान, यूपी को 7-6 से मात देकर फाइनल में पहुंचा। महिला वर्ग में महाराष्ट्र 4-3 के स्कोर से राजस्थान का हराकर विजयी रहा। राजस्थान को सिल्वर मिला।

गोबर के दीए रोशन करेंगे घर-आंगन

बेधड़क. जयपुर। गोबर के दीए से इस बार प्रवासी भारतीयों के घर-आंगन रोशन करने की तैयारी है। इसके लिए विदेशों में बसे भारतीयों के लिए जयपुर से 20 लाख दीए भेजे गए हैं। श्रीपिंजरापोल गौशाला परिसर में बनाए गए दीयों को महिलाएं इको-फ्रेंडली तरीके से बना रही हैं। हैनिमैन चैरिटेबल मिशन सोसाइटी व आईआईएएएसडी के सहयोग से बनाए जा रहे दीपकों को भारतीय जैविक किसान उत्पादक संघ की ओर से उपलब्ध कराया जा रहा है। पर्यावरण संरक्षण व महिलाओं को स्वाबलंबी बनाने की दिशा में गोबर से बने दीए को अहम माना जा रहा है। महिलाओं ने गाय के गोबर को अपनी आर्थिक और सामाजिक स्थिति मजबूत करने का जरिया बना लिया है। दीपक बनाने के लिए गोबर के पाउडर में प्रीमिक्स व गोंद मिलाते हैं।

उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र की वार्षिक बैठक

क्राफ्ट मेले में आर्टिस्टों को दिए जाएंगे लोक कला सम्मान

बेधड़क | जयपुर

पंजाब के राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित ने कहा कि इस बार लोक कला सम्मान 1 से 10 दिसंबर तक होने वाले चंडीगढ़ क्राफ्ट मेले में दिए जाएंगे।

उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र की वार्षिक बैठक इस बार जयपुर में खासा कोठी में आयोजित की गई, जिसमें सदस्य राज्यों के कला एवं सांस्कृतिक सचिवों तथा केंद्र सरकार द्वारा मनोनीत सदस्यों के साथ-साथ, संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार की संयुक्त सचिव ने भी भाग लिया। गौरतलब है कि राजस्थान राज्य उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र पटियाला का भी सदस्य है। बैठक में केंद्र की कार्यक्रम समिति, वित्त समिति और कार्यकारी परिषद में लिए गए निर्णयों का अनुमोदन भी किया गया। पुरोहित ने उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के द्वारा किए जा रहे कार्यों की तारीफ करते हुए कहा कि कार्यक्रमों की गुणवत्ता बहुत अच्छी है।

बैठक के आरंभ में दो लघु फिल्मों के माध्यम से केंद्र के कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। निदेशक फुरकान खान ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से एजेंडा बिंदुओं के बारे में विस्तार से बताया गया। कलाकारों के मानदेय में बढ़ोतरी का प्रस्ताव विचाराधीन है।

बैठक में गायत्री राठौड़, प्रमुख शासन सचिव, कला एवं संस्कृति भारत सरकार, महबूब अली, संस्कृति सचिव, लद्दाख, श्री हरी, संस्कृति सचिव, चंडीगढ़ के साथ साथ अन्य राज्यों के मनोनीत सदस्य भी उपस्थित रहे ।

लोकरंग में साकार हुई गोवन संस्कृति

8 राज्यों के 200 कलाकारों ने दी 17 विधाओं में प्रस्तुति

बेधड़क | जयपुर

कलाकारों ने लोक संस्कृति की अनुपम छठा बिखेरी तो कला प्रेमी रोमांचित और उत्साहित नजर आए। कलाकारों के साथ उनके पैर भी खुद-ब-खुद थिरकते दिखाई दिए। मौका था गुलाबी नगरी में जेकेके में हो रहे लोक रंग-2023 का, जिसमें 8 राज्यों के 200 कलाकारों की ओर से 17 विधाओं की प्रस्तुति दी गई।

शिल्पग्राम के मुख्य मंच पर कच्छी घोड़ी, डेरू नृत्य, मांड गायन, लोक गायन व कालबेलिया नृत्य की प्रस्तुति हुई। बहुरूपिया, कठपुतली आदि कलाओं ने आगंतुकों को रिझाया। मणिपुर के माइबी जगोई से कार्यक्रम का आगाज हुआ। जगोई से तात्पर्य नृत्य और महिला पुरोहित को माइबी कहा जाता है। देवताओं के आह्वान के लिए यह नृत्य किया जाता है। गोवा के कुणबी जनजाति की ओर से किए जाने वाले कुणबी नृत्य के साथ समारोह आगे बढ़ा। मध्य प्रदेश के बैगा परघौनी नृत्य ने आदिवासी संस्कृति से साक्षात्कार कराया। हाथी पर बैठे कलाकार ने ध्यान खींचा। बैगा आदिवासियों की ओर से बारात के स्वागत के लिए यह नृत्य किया जाता है, जिसमें दुल्हन के भाई को हाथी पर बैठाकर सम्मान दिया जाता है। मणिपुर के चेरोल जगोई-स्टिक डांस में कलाकार ने स्टिक को अपने इशारों पर नचाया। कृष्ण रास से प्रेरित उत्तर प्रदेश के राई नृत्य के बाद मणिपुर के लाई हरोबा नृत्य में प्रकृति को धन्यावाद दिया गया। राजस्थान के गैर नृत्य ने सभी को थार की संस्कृति से रूबरू कराया।

एलीट मिस राजस्थान-2023 | फाइनलिस्ट ने टैलेंट राउंड में दिखाई प्रतिभा

वेस्टर्न ड्रेसेज संग राजस्थानी पहनावे में उभरा सौंदर्य

बेधड़क | जयपुर

ग्रीनरी के बीच शहर की भाग दौड़ से दूर जब टैलेंट दिखाने का मौका मिला तो किसी ने डांस से तो किसी ने सिंगिंग क्वालिटी से मंच पर उतारा। हालांकि, ये सब यहां मॉडलिंग और एक्टिंग की दुनिया में कॅरियर बनाने की शुरुआत करने आई हैं। इसके बाद भी उनका ये अनूठा टैलेंट आयोजकों के साथ ग्रूमर्स को भी प्रभावित कर गया। ये थीं एलीट मिस राजस्थान-2023 सीजन-10 की 26 फाइनलिस्ट, जिन्होंने अजमेर रोड स्थित समस्कारा रिसोर्ट में टैलेंट राउंड के दौरान अलग-अलग राउंड में अपनी छुपी हुई प्रतिभा को शोकेस किया।

झलकी राजस्थानी संस्कृति

इस दौरान मॉडर्न दिखने और पहनने वाली गर्ल्स ने राजस्थान की संस्कृति की झलक भी दिखाई। उन्होंने मॉडर्न वेस्टर्न ड्रेस में डांस करने के साथ राजस्थानी पहनावे को भी प्रायोरिटी दी और राजस्थानी पोषाक में डांस करते हुए टैलेंट दर्शाया। पेजेंट डायरेक्टर गौरव गौड़ ने बताया कि टॉप 26 फाइनलिस्ट इन दिनों ग्रूमिंग ले रही हैं। इस दौरान उनके लिए एक टैलेंट राउंड का आयोजन किया गया, जिसमें उन्होंने सिंगिंग, डांसिंग, स्पीच, रैंप वॉक, एक्टिंग आदि को शोकेस किया।

यदि वह तुम्हें महान, सरल और त्यागी नहीं बना रहा है, तो चाहे जो हो, वह प्रेम तो नहीं है।

विनायक शर्मा, फाउंडर एंड एडिटर इन चीफ, सच बेधड़क मीडिया ग्रुप

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इजराइल को दी युद्ध में 'अल्प विराम' की सलाह

युद्ध में 9,000 फिलिस्तीनी नागरिकों की मौत

प्रयागराज। प्रया

एजेंसी | दीर-अल-बलाह (गाजा पट्टी)

हमास के आतंकवादियों के साथ लड़ रहे इजराइली सुरक्षा बलों ने गुरुवार को गाजा सिटी की घेराबंदी करने के बीच युद्ध में मारे गए फिलिस्तीनी नागरिकों की संख्या बढ़कर 9,000 हो गई। अमेरिका और अरब के नेताओं ने इजराइल पर गाजा की घेराबंदी में ढील देने और नागरिकों की मदद के लिए कुछ समय के लिए युद्ध में विराम देने का दबाव बढ़ाया है।

हमास के भीषण हमले के करीब चार हफ्ते बाद इजराइल का हमास आतंकवादियों के खिलाफ युद्ध जारी है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने मानवीय सहायता आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए युद्ध में 'अल्प विराम' की सलाह दी है। इजराइल ने बाइडेन के सुझाव पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन उसके प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतान्याहू ने कहा, 'हम आगे बढ़ रहे हैं। हमें कोई रोक नहीं सकता।' नेतन्याहू ने इससे पहले संघर्ष-विराम को खारिज कर दिया था। उन्होंने गाजा पट्टी में हमास के शासन को खत्म करने का संकल्प लिया।

उधर, हमास के सहयोगी हिजबुल्ला ने उत्तरी इलाके में इजराइली मोर्चों पर ड्रोन, मोर्टार और आत्मघाती ड्रोन से हमले किए। इजराइली सेना ने कहा कि उसने लड़ाकू विमानों और युद्धक हेलिकॉप्टरों के जरिये जवाबी कार्रवाई की।

3700 बच्चों ने तोड़ा दम

लड़ाई में 3,700 से अधिक फिलिस्तीनी बच्चे और नाबालिग मारे गए हैं। बमबारी की वजह से क्षेत्र की 23 लाख आबादी में आधे से ज्यादा लोग बेघर हो चुके हैं। क्षेत्र में भोजन, पानी की किल्लत होने के साथ ईंधन भी खत्म हो गया है।

इजराइल पहुंचे एंटनी ब्लिंकन

खान यूनिस (गाजा पट्टी)। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने शुक्रवार को इजराइल से गाजा में युद्ध में फंसे नागरिकों की सुरक्षा के हर संभव प्रयास करने और उन तक मानवीय सहायता की पहुंच सुनिश्चित करने का आग्रह किया। उन्होंने इजराइल के आत्म रक्षा के अधिकार पर भी जोर दिया। इस बीच, क्षेत्र में संघर्ष तेज होने की बढ़ती आशंका के बीच इजराइल ने चेतावनी दी कि वह लेबनान के साथ उसकी सीमा पर हमलों के लिए हाई अलर्ट पर है। इजराइली सैनिकों ने गाजा शहर की घेराबंदी कड़ी कर दी है, जो क्षेत्र में शासन कर रहे हमास आतंकवादियों को खत्म करने के उनके अभियान का केंद्र बिंदु है।

अरब देशों ने युद्ध को लेकर जताई चिंता

अमेरिका के सहयोगियों सहित अरब देशों ने युद्ध को लेकर चिंता जताई है। जॉर्डन ने इजराइल से अपना राजदूत बुला लिया है और युद्ध रुकने तक इजराइल के राजदूत को देश से बाहर रहने को कहा है। व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा कि अमेरिका आम संघर्ष विराम की दिशा में बढ़ने की बात नहीं कर रहा, लेकिन 'कुछ समय के लिए इसमें विराम' देना चाहिए। बाइडेन ने कहा कि दोहरी नागरिकता वाले 74 अमेरिकी नागरिकों ने गाजा पट्टी छोड़ दी है।

ईरान: 16 घायलों को अस्पताल में कराया भर्ती

नशामुक्ति केंद्र में भीषण आग, 32 जिंदा जले

एजेंसी | तेहरान

उत्तरी ईरान में एक निजी नशा मुक्ति केंद्र में शुक्रवार को आग लगने से 32 लोगों की मौत हो गई। ईरान के सरकारी मीडिया ने पहले 27 लोगों की मौत होने की जानकारी दी थी।

सरकारी टेलीविजन चैनल ने बताया कि 16 अन्य घायलों को लैंग्राउड शहर के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। लैंग्राउड शहर ईरान की राजधानी तेहरान से करीब 200 किलोमीटर पश्चिमोत्तर में स्थित है। टीवी रिपोर्ट में कहा गया है कि नशा मुक्ति केंद्र में 40 मरीजों के रहने की क्षमता थी। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि सुबह जब आग लगी तो कितने कर्मचारी काम कर रहे थे। रिपोर्ट में पहले बताया गया था कि 27 लोगों की मौत हुई है और 17 घायल हुए हैं।

चैनल द्वारा प्रसारित वीडियो में आग की लपटें उठती नजर आ रही हैं। आग पर काबू पा लिया गया है और प्राधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं। ईरान की न्यायपालिका के प्रमुख गुलामहुसैन मोहसेनी इजेई ने पूर्ण जांच के आदेश दिए हैं। इससे पहले सितंबर में ईरान के रक्षा मंत्रालय के मालिकाना हक वाली एक कार बैटरी फैक्टरी में एक सप्ताह से भी कम समय में दो बार आग लगी थी। इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ था।

2017 में भी लगी थी भीषण आग

इससे पहले ईरान में आगजनी की बड़ी घटना जनवरी 2017 में देखने को मिली थी, जब तेहरान में 15 मंजिला प्लास्को शॉपिंग सेंटर में आग लगने से 16 अग्निशामकों सहित कम से कम 22 लोगों की मौत हो गई थी।

संदिग्धों को किया गया अरेस्ट

ईरान की न्यायपालिका के प्रमुख गुलामहुसैन मोहसेनी इजेई ने कहा कि नशा मुक्ति केंद्र की क्षमता 40 लोगों के लिए थी, लेकिन हादसे के वक्त कुल कितने लोग मौजूद थे। इसके बारे में सही जानकारी नहीं मिल पाई है। उन्होंने कहा कि केंद्र के प्रबंधक सहित कई संदिग्धों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। सोशल मीडिया पर वायरल तस्वीरों में आग के कारण धुएं के विशाल गुबार को उड़ते देखा जा सकता है। अन्य फुटेज में आपातकालीन कर्मियों, अग्निशामकों और एंबुलेंस को आग पर काबू पाने के बाद घटना स्थल पर इकट्ठा होते हुए दिखाया गया है, तस्वीरों में दिखाया गया है कि केंद्र की छत नष्ट हो गई है, इसकी खिड़कियां टूट गई हैं और इसकी दीवारें धुएं से काली हो गई हैं।

चीन की 3 दिवसीय यात्रा करेंगे एंथनी अल्बनीज

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज चीन की तीन दिवसीय यात्रा करेंगे और वह पिछले सात वर्ष में ऐसा करने वाले देश के पहले प्रधानमंत्री होंगे जो यह दिखाता है कि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों में सुधार हुआ है। व्यापार और सुरक्षा को लेकर दोनों देशों के बीच काफी मतभेद रहे हैं जो अभी तक हल नहीं हुए हैं।

सियारन तूफान की चपेट में आए यूरोप के कई देश

इटली में रिकॉर्ड बारिश, 5 मरे

एजेंसी | मिलान (इटली)

तूफान सियारन ने बीती रात इटली में दस्तक दी और इसकी वजह से हुई भारी बारिश के कारण टस्कनी के एक बड़े हिस्से में बाढ़ जैसे हालात बन गए। लोग अपने घरों से बाहर नहीं जा सके, अस्पतालों में पानी भर गया और कई गाड़ियां पलट गईं। इस दौरान पांच लोगों की जान जाने की खबर है।

यूरोप के कई देश सियारन तूफान की चपेट में आ चुके हैं। स्पेन, फ्रांस, बेल्जियम, नीदरलैंड और जर्मनी में गुरुवार को इससे काफी नुकसान हुआ था। जैसे-जैसे तूफान आगे बढ़ा, इटली के पीसा और मुगेलो में अस्पतालों में पानी भर गया। पूरे टस्कनी में, रेल लाइनें और राजमार्ग बाधित हो गए और स्कूल बंद कर दिए गए।

इतालवी नागरिक सुरक्षा अधिकारियों ने कहा कि तट पर लिवोर्नो शहर से लेकर मुगेलो की अंतर्देशीय घाटी तक तीन घंटे की अवधि में 200 मिलीमीटर बारिश हुई। इसके चलते नदी के तटीय क्षेत्र उफान पर हैं।

बम ब्लास्ट से फिर दहला पाकिस्तान

खैबर पख्तूनख्वा में पुलिस गश्ती दल पर हमला, पांच मरे

बम ब्लास्ट से फिर दहला पाकिस्तान

पेशावर। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शुक्रवार को पुलिस के एक गश्ती दल के पास हुए बम धमाके में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और अन्य 24 लोग घायल हो गए। पुलिस के खिलाफ हो रहे हमलों में यह नवीनतम घटना है।

बम धमाका, डेरा इस्माइल खान शहर में पुलिस के गश्ती दल के करीब हुआ। जिला पुलिस अधिकारी अबदुर राउफ कईसरानी ने बताया कि धमाके में दो पुलिसकर्मी समेत पांच लोग मारे गए, जबकि अन्य 24 लोग घायल हो गए। कईसरानी ने बताया कि पुलिस को इस तरह की कायरतापूर्ण हरकत से रोका नहीं जा सकता और वह आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखेंगे।

खैबर पख्तूनख्वा सरकार ने धमाके की निंदा करते हुए इसे कायरतापूर्ण और कट्टरवादी बताया है। तहरीक-ए तालिबान पाकिस्तान के बीते वर्ष नवंबर में सरकार के साथ अपना संघर्ष विराम समाप्त करने के बाद देश में हाल के महीनों में आतंकवादी गतिविधियों खासकर खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में बढ़ोतरी देखी गई है।

खाद्य आत्मनिर्भरता की योजना

पाकिस्तानी सेना अब करेगी खेती

एजेंसी | पेशावर

पंजाब प्रांत में खेती करने का निर्णय लेने के महीनों बाद, पाकिस्तानी सेना अब खाद्य आत्मनिर्भरता की योजना के तहत अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में हजारों एकड़ जमीन पर खेती शुरू करने की तैयारी में है। शुक्रवार को मीडिया में आई खबरों में यह जानकारी दी गई।

पाकिस्तानी सेना ने अब तक सुरक्षा और विदेश नीति के मामलों में अपनी ताकत दिखाई है। पाकिस्तान पर उसके अस्तित्व में आने के 75 से अधिक वर्षों में आधे से अधिक समय तक सेना ने ही शासन किया है। हालांकि, यह संभवतः पहली बार है कि सेना अशांत प्रांत के लिए शांति स्थापना और कृषि उत्पादकता बढ़ाने की गतिविधियों को एक साथ मिलाकर कदम उठा रही है। 'द न्यूज इंटरनेशनल' की खबर के अनुसार, क्षेत्र की कृषि उत्पादकता और खाद्य आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए सेना शुरुआत में 1,000 एकड़ भूमि पर खेती करेगी और फिर दक्षिण वजीरिस्तान के जरमलम क्षेत्र में 41,000 एकड़ तक इसका विस्तार करेगी।

यह क्षेत्र वर्षों से बंजर था। कोर कमांडर,पेशावर, लेफ्टिनेंट जनरल सरदार हसन अजहर हयात का हवाला देते हुए इसमें कहा गया कि इस परियोजना से क्षेत्र की कृषि उत्पादकता बढ़ाने और खाद्य आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि पाक सेना खैबर पख्तूनख्वा में खेती को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
संपादक: विनायक शर्मा*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

दैनिक हिन्दी अख़बार
सच बेधड़क

"सच बेधड़क" दैनिक हिन्दी अख़बार की प्रति PDF के माध्यम से मुफ़्त प्राप्त करने के लिए इस लिंक पर Click कीजिए

Telegram

https://rb.gy/3bkrnl